घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 310- शनिवार 12- सितम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

ब्रिक्स में पुतिन का अमेरिका-यूरोप पर तंज....कमजोर देश खुद को जी7 क्यों कहते हैं

ब्रिक्स देशों में दुनिया की 40 प्रतिशत जीडीपी : पीएम मोदी

नई दिल्ली,11 सितम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत ब्रिक्स लीडर्स ने शुक्रवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम में ग्लोबल ट्रेड पर बात की। इसमें सबसे अहम बयान पुतिन का रहा। उन्होंने अमेरिका और यूरोप पर तंज कसते हुए कहा, पश्चिम अब कमजोर हो रहा है,पता नहीं ये देश खुद को जी7 क्यों कहते हैं। दुनिया की 40% से ज्यादा जीडीपी ब्रिक्स देशों से आई, जी7 की हिस्सेदारी सिर्फ 29% रही। इसके बाद पीएम मोदी ने भी बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये दुनिया की 40% जीडीपी में हिस्सा रखते हैं। भारत व्यापार बढ़ाना चाहता है और इसके लिए सुरक्षित समुद्री रास्ते जरूरी हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के मुताबिक,पीपीपी के आधार पर ब्रिक्स की हिस्सेदारी दुनिया की अर्थव्यवस्था में करीब 40% है,जबकि जी7 की 18%। यानी आर्थिक आकार में ब्रिक्स आगे है। हालांकि जी7 को कमजोर नहीं माना जा सकता। डॉलर,बैंकिंग,निवेश और तकनीक में उसका प्रभाव अब भी बड़ा है। दूसरी तरफ ब्रिक्स की ताकत बड़ी आबादी,प्राकृतिक संसाधन और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं।

पुतिन ने मोदी को रूस आने का न्योता दिया...

प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भारत मंडपम में 45 मिनट बैठक हुई। इसके बाद दोनों नेता एक ही कार से इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन पहुंचे। बैठक में भारत-रूस रिश्तों के साथ मिडिल ईस्ट और ब्लैक सी के हालात पर चर्चा हुई। पुतिन ने मोदी को 24वें भारत-रूस समिट के लिए रूस आने का न्योता दिया, जिसे पीएम ने स्वीकार कर लिया।

मोदी बोले...दुनिया की आधी आबादी विकास में...

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये देश दुनिया की 40% जीडीपी और 25% से ज्यादा ग्लोबल ट्रेड में हिस्सा रखते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में दुनिया की जीडीपी करीब ढाई गुना बढ़ी,जबकि ब्रिक्स देशों की जीडीपी साढ़े चार गुना बढ़ी। यानी ब्रिक्स की अर्थव्यवस्था बाकी दुनिया से करीब दोगुनी तेजी से बढ़ी है। मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देश अब इनोवेशन और नई टेक्नोलॉजी के बड़े केंद्र बन रहे हैं। भारत में हो रहा यह ब्रिक्स बिजनेस फोरम अब तक का सबसे बड़ा फोरम है।

पुतिन बोले...दुनिया में बड़ा बदलाव हो रहा

ब्रिक्स बिजनेस फोरम के लीडर्स सेशन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि दुनिया में इस समय बड़े और गहरे बदलाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 20वीं सदी के दूसरे हिस्से में दुनिया की आर्थिक तरक्की को आगे बढ़ाने वाले पुराने आर्थिक केंद्रों की जगह अब नए देश और नई अर्थव्यवस्थाएं विकास को आगे बढ़ा रही हैं। पुतिन ने कहा कि पुराने आर्थिक केंद्रों के पास आज भी मजबूत बुनियादी ढांचा, बेहतर टेक्नोलॉजी, वैज्ञानिक क्षमता और मजबूत रिसर्च संस्थान हैं। लेकिन दुनिया और अर्थव्यवस्था हमेशा बदलती रहती है।

ईरानी राष्ट्रपति बोले... दुनिया मुश्किल दौर में

ब्रिक्स बिजनेस फोरम के लीडर्स सेशन में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि दुनिया इस समय बहुत मुश्किल दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है, सप्लाई में दिक्कतें आ रही हैं और आर्थिक दबाव के जरिए दूसरे देशों पर राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा है। इससे कारोबार का माहौल मुश्किल हो गया है। पजशकियान ने कहा कि ऐसे में सवाल है कि ब्रिक्स इन चुनौतियों का सामना कैसे करेगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की असली ताकत सिर्फ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में नहीं है। ताकत तब दिखेगी, जब सदस्य देश आपस में व्यापार और निवेश बढ़ाएं और मिलकर आर्थिक परियोजनाओं में पैसा लगाएं।

4 से बढ़कर 21 देशों का हुआ ब्रिक्स परिवार : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम में सभी देशों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस साल ब्रिक्स की शुरुआत के 20 साल पूरे हो रहे हैं। मोदी ने कहा कि 2006 में जब ब्रिक्स की शुरुआत हुई थी, तब इसमें सिर्फ 4 देश थे। आज सदस्य और पार्टनर देशों को मिलाकर ब्रिक्स परिवार 21 देशों तक पहुंच गया है।

खनिज के बदले हमें इन्वेस्टमेंट चाहिए : रामाफोसा

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा कि अफ्रीका सिर्फ दुनिया को अपने खनिज देता रहे और बदले में उसे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निवेश न मिले, ऐसा नहीं चल सकता। दिल्ली में ब्रिक्स बिजनेस फोरम में बोलते हुए उन्होंने अफ्रीकी देशों में ज्यादा निवेश और ब्रिक्स देशों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी की जरूरत बताई।

मोदी-पुतिन बैठक : द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा व वैश्विक राजनीतिक मुद्दों पर की चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यहां रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन से द्विपक्षीय मुलाकात की जिसमें दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा,अंतरिक्ष,कौशल विकास आदि क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की और वैश्विक एवं भू-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की जिसमें यूक्रेन युद्ध,काला सागर क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हमले एवं भारतीय नाविकों की सुरक्षा के मुद्दे भी शामिल थे। पुतिन भारत की अध्यक्षता में कल से शुरू हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज तड़के यहां पहुंचे हैं और वह तीन दिन की यात्रा पर आये हैं। भारत मंडपम में अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे हुई इस मुलाकात के बारे में विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक,रक्षा,ऊर्जा,अंतरिक्ष,कौशल गतिशीलता और लोगों के बीच आपसी संबंधों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रूस की अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी इनोप्रोम इंडिया का स्वागत किया, जो पहली बार भारत में 9-11 सितंबर 2026 को आयोजित की गई और व्यापार तथा औद्योगिक संबंधों को और बढ़ाने में इसके महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने इनोप्रोम इंडिया प्रदर्शनी का दौरा भी किया और प्रतिभागियों से बातचीत की। विदेश मंत्रालय के अनुसार नेताओं ने बहुपक्षीय क्षेत्र में भारत-रूस जुड़ाव, विशेष रूप से 2026 में भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स के संदर्भ में, विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने आपसी हित के प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दृष्टिकोण साझा किए, जिनमें पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में संघर्ष शामिल हैं,जिनका समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर असर पड़ा है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि बातचीत और कूटनीति ही संघर्षों को सुलझाने का सही तरीका है और भारत शांति प्रयासों में सहायता के लिए तैयार है। दोनों नेता दोनों देशों के बीच 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझीदारी' को और मजबूत करने के प्रयासों को आगे बढ़ाते रहने पर सहमत हुए और उन्होंने माना कि इस साझीदारी में लगातार महत्वपूर्ण वृद्धि हो रही है और इसने भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद मजबूती दिखाई है। प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की इस साल यह दूसरी मुलाकात थी।

शिक्षा व्यवस्था से भारतीय युवा निराश...इंदौर में छात्रों की गूंज से 8 दिन पहले सुझाव मांगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली,11 सितम्बर 2026। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था पीढ़ी को निराश कर रही है, जिसे बेहतर भविष्य देने के लिए बनाया गया था। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से पूछा कि उनका शिक्षा व्यवस्था से भरोसा क्यों उठ गया है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की शुरुआत उन लोगों की बात सुनने से होगी, जो रोजाना इसकी कमियों का सामना कर रहे हैं। राहुल ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से अपने अनुभव,सबूत और सुझाव ऑनलाइन साझा करने को कहा। राहुल ने यह बात छात्रों की गूंज के 8 दिन पहले की है। इसका आयोजन 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर में होगा। अब तक तक कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में 4 कार्यक्रम कर चुके हैं। इंदौर में कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और प्रशासन के बीच अनुमति का मुद्दा बना हुआ है। कांग्रेस पिछले 11 दिन से अनुमति के लिए प्रयास कर रही है। इसके लिए कलेक्टर, नगर निगम, पुलिस और इंदौर विकास प्राधिकरण के स्तर पर आवेदन और प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस का कहना है कि अनुमति मिले या नहीं, कार्यक्रम होकर रहेगा। वहीं प्रशासन का कहना है कि अनुमति निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया और सुरक्षा व्यवस्था के आधार पर दी जाएगी।

वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में उथल-पुथल के बीच लचीलापन बढ़ाना जरूरी : जयशंकर

नई दिल्ली,11 सितम्बर 2026। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था उथल-पुथल, अस्थिरता और जटिलताओं से गुजर रही है। भू-राजनीतिक संघर्षों, महामारियों और जलवायु संबंधी व्यवधानों के आर्थिक प्रभाव के बीच लचीलापन अब किसी भी देश की आर्थिक रणनीति का केंद्रीय तत्व बन गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में नवाचार, टिकाऊ विकास और मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के साथ आर्थिक झटकों से निपटने की क्षमता बढ़ाना आवश्यक है। ब्रिक्स व्यापार मंच को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण और तकनीकी प्रगति ने विकास, उत्पादकता और आर्थिक विस्तार के नए अवसर खोले हैं, लेकिन इनके साथ नए जोखिम भी सामने आए हैं। इसलिए देशों को बदलती परिस्थितियों का अनुमान लगाने, उनके अनुरूप खुद को ढालने और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ब्रिक्स की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। ब्रिक्स अलग-अलग संसाधनों, बाजारों, क्षमताओं और अनुभवों वाली अर्थव्यवस्थाओं को एक मंच पर लाता है।

विनेश फोगाट को बड़ा झटका...दिल्ली हाईकोर्ट ने विश्व चैंपियनशिप ट्रायल में उतरने की नहीं दी इजाजत

नई दिल्ली,11 सितम्बर 2026। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को 2026 सीनियर विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल से पहले बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें 14 सितंबर को होने वाले चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने अंतरिम आदेश में कहा कि अदालत विनेश फोगाट को ट्रायल में शामिल होने के लिए मौजूदा नियमों से विशेष छूट नहीं दे सकती। दिल्ली हाईकोर्ट ने विनेश फोगाट की मातृत्व और खेल करियर से जुड़े एक अहम सवाल पर विचार करने की बात कही है। कोर्ट यह देखेगा कि मां बनने के बाद महिला खिलाड़ियों की खेल में वापसी और प्रतियोगिताओं की पात्रता के नियमों के बीच किस तरह संतुलन बनाया जा सकता है। विनेश फोगाट जुलाई 2025 में मां बनी थीं। इसके बाद वह मैटरनिटी लीव से लौट चुकी हैं। उन्होंने 2026 सीनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए होने वाले महिला चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति मांगी थी। हाईकोर्ट ने कहा कि यह बड़ा सवाल है कि मातृत्व और खेल करियर के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। साथ ही यह भी विचार करने की जरूरत है कि क्या किसी महिला खिलाड़ी को मां बनने और अपने खेल करियर को जारी रखने में से किसी एक को चुनने की स्थिति में आना चाहिए। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि इस मुद्दे पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। मामले की आगे की सुनवाई में इस पहलू पर विस्तार से विचार किया जाएगा।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने सात सितंबर को चयन ट्रायल के लिए पात्रता से जुड़े नियम तय किए थे। इन नियमों के तहत कुछ अनिवार्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना जरूरी है। हाईकोर्ट ने कहा कि ये नियम सभी खिलाड़ियों पर समान रूप से लागू होते हैं। अगर कोई पहलवान तय अनिवार्य प्रतियोगिताओं में शामिल नहीं हुआ है, तो मौजूदा नियमों के तहत उसे चयन ट्रायल के लिए पात्र नहीं माना जाएगा। विनेश फोगाट ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि गर्भावस्था, बच्चे के जन्म और प्रसव के बाद स्वास्थ्य लाभ के कारण वह कुछ समय तक प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले सकीं। उन्होंने अदालत से इस अवधि को ध्यान में रखते हुए उन्हें विशेष छूट देने की मांग की थी, ताकि वह 2026 सीनियर विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में हिस्सा ले सकें। हालांकि, अदालत ने मौजूदा पात्रता नियमों में उनके लिए अलग से छूट देने से इनकार कर दिया। इस फैसले के बाद विनेश के 14 सितंबर को होने वाले चयन ट्रायल में उतरने की उम्मीदों को झटका लगा है।

तेलंगाना : सिकंदराबाद में मद्रास रेजीमेंट से 12 हथियार और 1,800 से अधिक कारतूस चोरी,पूर्व हवलदार गिरफ्तार

हैदराबाद,11 सितम्बर 2026। तेलंगाना के हैदराबाद जिले में स्थित सिकंदराबाद के बोल्लारम स्थित 20वीं बटालियन मद्रास रेजीमेंट से 12 हथियार और 1,800 से अधिक कारतूस चोरी होने के मामले का तेलंगाना पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में रेजीमेंट के पूर्व हवलदार उप्पुथोला मल्लेश (37) को गिरफ्तार किया है। मल्लेश 30 जून को ही सेना से सेवानिवृत्त हुआ था। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सीवी आनंद ने बताया कि पुलिस ने चोरी किए गए सभी 12 हथियार और 1,800 से अधिक कारतूस बरामद कर लिए हैं। शुरुआती जांच में जब कोई ठोस सुराग नहीं मिला, तो खुफिया एजेंसियों ने करीब 8.5 लाख मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया। इसके अलावा मोबाइल फॉरेंसिक, सीसीटीवी फुटेज और स्निफर डॉग्स की मदद से जांच को आगे बढ़ाया गया। जांच के दौरान मल्लेश की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। पुलिस के मुताबिक, उसे 27 से 29 अगस्त के बीच रेजीमेंट परिसर के आसपास रेकी करते हुए देखा गया था। पूछताछ के लिए बुलाए जाने के बाद उसने अपने मोबाइल फोन से कॉल रिकॉर्ड और व्हाट्सऐप हिस्ट्री डिलीट कर दी।

मध्यप्रदेश के पांढुर्णा में परम्परा के नाम पर फिर खूनी खेल

गोटमार मेले में अब तक 1185 घायल,गंभीर हालत में 7 नागपुर रेफर...

छिंदवाड़ा,11 सितम्बर 2026। मध्य प्रदेश के पांढुर्णा जिले में एक बार फिर परम्परा के नाम खूनी खेल खेला गया। यहां शुक्रवार को पारंपरिक गोटमार मेले का आयोजन हुआ, जिसमें जाम नदी के दोनों किनारों पर बसे पांढुर्णा और सावरगांव के लोगों ने एक-दूसरे पर जमकर पथराव किया। इस भीषण पत्थरबाजी में शाम 6 बजे तक 1185 लोगों के घायल होने की सूचना है। इनमें से सात गंभीर घायलों को नागपुर रेफर किया गया है। पांढुर्णा में गोटमार मेले की परंपरा करीब 300 साल पुरानी है। इसी परम्परा के मुताबिक, शुक्रवार को यहां सुबह 11 बजे पूजा-अर्चना के साथ गोटमार मेले की शुरुआत हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने चंडी माता मंदिर और जाम नदी में गाड़े गए पलाश के झंडे की पूजा की। जाम नदी में झंडा लगाए जाने के बाद पांढुर्णा और सावरगांव के गोटमार खिलाड़ी आमने-सामने आ गए और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। शाम तक चले इस पारम्परिक खेल में 1185 लोग घायल हो चुके हैं। कई लोगों के सिर फूटे हैं और हड्डियां टूटी हैं। सावरगांव के 33 वर्षीय नितिन भादे का पैर टूट गया। 30 वर्षीय संजय धारपुरे के सिर और पैर में गंभीर चोट आई है। पांढुर्णा के सचिन हाटेकर का पैर टूट गया। प्रीतम योगेश राउत के सिर और सीने में चोट है। कैलाश नंदू साहू के सिर, कमर और पैर में चोट आई है। सभी सात गंभीर घायलों को नागपुर रेफर किया गया है।

पांढुर्णा से कांग्रेस विधायक निलेश उईके भी पत्थरबाजी करते नजर आए। वहीं, पांच साल के बच्चे योगेश मरावी का भी पत्थर लगने से सिर फूट गया। वह परिवार के साथ महाराष्ट्र के मोवाड से मेला देखने आया था। घायलों के इलाज के लिए मेला क्षेत्र में सात अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए हैं जहां घायलों को उपचार दिया जा रहा है। गंभीर रूप से घायल लोगों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने गंभीर मरीजों को तुरंत नागपुर जैसे बड़े अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने 44 डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई है और 22 एंबुलेंस तैनात की हैं। सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मेले के दौरान जिला कलेक्टर नीरज वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी कैंपों पर नजर बनाए रखे। स्थिति पर नजर रखने के लिए 700 पुलिसकर्मी तैनात हैं।

संपादकीय

अब भी नासूर बना हुआ है आतंकवाद

आतंकवाद समकालीन विश्व की सबसे जटिल समस्याओं में से एक है। इसने समूचे विश्व को अपने प्रकोप से प्रभावित किया हुआ है। आज के दौर में यह समस्या और विकट होती जा रही है और किसी न किसी रूप में विश्व को ग्रसित कर रही है। आतंकवाद को परिभाषित किया जाए तो यह किसी व्यक्ति विशेष या संगठन द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सशस्त्र बल का प्रयोग कर समाज में हिंसा और भय उत्पन्न करना होता है। हिंसा और भय से समाज में भारी उथल-पुथल और अशांति पैदा कर समाज में एक व्यापक गतिरोध पैदा करने की मंशा से की जाने वाली घटनाएं आतंकवाद की श्रेणी में आती हैं। ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले कहीं जिहाद के नाम पर, कहीं पृथक देश बनाने की मांग पर और कहीं शोषण के विरुद्ध संघर्ष चलाने के नाम पर हिंसक घटनाओं को अंजाम देते हैं।

विश्व के इतिहास में सबसे बड़ी आतंकी घटना अलकायदा द्वारा सितंबर 2001 में अमेरिका के विश्व व्यापार केंद्र और 'पेंटागन' पर हुई थी। 25 वर्ष पुरानी इस आतंकी घटना में लगभग तीन हजार लोग मारे गए थे और तमाम घायल हुए थे। इस घटना ने समूची दुनिया की नींद उड़ा दी थी। इस घटना के बाद अमेरिका और उसके साथी देशों ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक अभियान छेड़ा,लेकिन वह भटक गया। आज स्थिति यह है कि आतंकवाद से पीड़ित रहा अमेरिका उसके सबसे बड़े संरक्षक पाकिस्तान का दोस्त और शुभचिंतक बना हुआ है। यह आतंक के खिलाफ अमेरिका के दोहरे मानदंड का परिचायक है।

कुछ ऐसा ही रवैया चीन और तमाम अन्य देशों का भी है। इस कारण भी भारत पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद से ग्रसित है। भारत में अस्थिरता बढ़ाने और देश में अशांति फैलाने के उद्देश्य से अनेक भीषण आतंकी हमले किए गए। हमने अपने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को भी ऐसी ही घटना में खो दिया। यह घटना भारत के इतिहास में सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक थी। भारत में आतंकवादी हमले लगातार होते रहे हैं। 2001 में भारतीय संसद पर हमला, 2002 में अक्षरधाम मंदिर पर हमला, 2006 में मुंबई लोकल ट्रेन पर हमला और 2008 में मुंबई पर हमला,2019 में पुलवामा और 2025 में पहलगाम हमला प्रमुख आतंकी घटनाएं हैं। इन हमलों में सैकड़ों लोगों की जान गई और अनेक सुरक्षाकर्मियों ने भी अपना बलिदान दिया।

भारत में होने वाली आतंकी घटनाओं के पीछे पड़ोसी देश पाकिस्तान की भूमिका रही है। फिल्म 'धुरंधर' पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद की कहानी को बड़े ही बेहतर ढंग से प्रस्तुत करती है। विडंबना यह कि मुंबई आतंकी हमले में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद भी राजनीतिक साहस की कमी और अदूरदर्शिता के कारण पीड़ितों को न्याय मिलने में बहुत देरी हुई। उस समय किसी दबाव में तत्कालीन सरकार पाकिस्तान पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने तो एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर झूठा विमर्श खड़ा कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की छवि खराब करने का काम किया। ये प्रसंग कहीं न कहीं हमारी राजनीतिक कमजोरियों को भी उजागर करते हैं, जिससे ऐसी घटनाओं के पीछे की ताकतों के मंसूबों को और बल मिलता है। आतंक के खिलाफ जैसी एकजुटता का अभाव विश्व स्तर पर है, वैसा ही राष्ट्रीय स्तर पर भी।

आतंक के खिलाफ इतने वर्षों के संघर्ष के बाद भी आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए एक नासूर बना हुआ है। पहलगाम हमले के जवाब में भारत की सेना ने अदम्य साहस और पुरुषार्थ का परिचय देते हुए पाकिस्तान में घुसकर बहावलपुर और मुरीदके जैसी जगहों पर मौजूद बड़े आतंकी कैंप्स को ध्वस्त किया और सैकड़ों आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया। भारत सरकार के इस मजबूत इरादे और सेना की बहादुरी को पूरी दुनिया ने देखा। यह अपने आप में एक बदलते हुए नए भारत की तस्वीर है, लेकिन समस्या यह है कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता कायम नहीं हो पा रही है। प्रधानमंत्री मोदी अनेक वैश्विक मंचों से आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट मत प्रकट करते रहते हैं। वे आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टालरेंस' की नीति की वकालत करते हैं। विश्व को एक साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाने चाहिए और इसका समूल नाश करने के लिए स्पष्ट नीति और नीयत दिखानी चाहिए।

हाल ही में किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित 'शंघाई सहयोग संगठन' के सम्मेलन में सदस्य देशों ने आतंकवाद पर दोहरे रवैये के खिलाफ आवाज उठाई। 'बिश्केक डिक्लेरेशन' के नाम से दिए गए साझा बयान में कहा गया है कि सदस्य राष्ट्र आतंकवाद,अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई और इसके खात्मे के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं। इस घोषणा में अपने निहित स्वार्थों के लिए आतंकवाद और उग्रवाद की अस्वीकार्यता पर भी चिंता व्यक्त की गई। देखना है कि ऐसी ही चिंता ब्रिक्स सम्मेलन में भी व्यक्त की जाती है या नहीं? वैसे, केवल चिंता जताना ही पर्याप्त नहीं। आतंक के खिलाफ कोरी बातें ही उसे ताकत प्रदान कर रही हैं। आज सबसे आवश्यक यह है कि आतंकवाद को संयुक्त राष्ट्र की ओर से

कविता व्यंग्यात्मक

स्वागत है राजपुर नगर पंचायत आपका,
गड्ढों वाले हाईवे पर!
जरा देखिए एन एच 343 का नज़ारा,
जैसे आसमान से उतर आया हो स्विमिंग पूल सारा।।
कहीं सड़क में गड्ढे हैं, या गड्ढों में सड़क है,
ये तो बस यहाँ चलने वालों की फूटी किस्मत है।
एक तरफ देखिए,ट्रक बना है पानी का जहाज,
सोच रहा होगा,क्या यही है आधुनिक विकास का राज?
दूसरी ओर,मोटरसाइकिल पर सवार एक जांबाज़ खिलाड़ी,
कीचड़ के समुद्र में कर रहा है अपनी सवारी।।
पब्लिक है बेहाल,धक्के खा-खा कर परेशान,
ठेकेदार साहब और अफ़सरों की जुगलबंदी बनाए हुए है आन-बान-शान,
राजपुर नगर पंचायत खामोशी अख्तियार कर बारिश में बनाया कृतिमान।।
कह रही है,बारिश तो कुदरत का करिश्मा है प्यारे,
जितनी ज्यादा बारिश,उतने मोटे होंगे हमारे वारे-न्यारे।।
फाइलें दौड़ रही हैं 343 के कार्यालय में,काम प्रगति पर है का नारा है,
मगर ज़मीन पर तो बस कीचड़ और जल भराव ही का सहारा है।।
दुआ करो कि बारिश थमे,और ये पानी थोड़ा सूखे,
वरना इस एन एच 343 पर तो बस सरकारी दावे ही हैं रूखे।।

सुदामा राजवाड़े
राजपुर,बलरामपुर।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

नेताओं की मेज पर दुनिया,जनता की मेज पर सवाल

तीन देशों की चाल में,करोड़ों लोगों का कल अटका है...
बड़े देशों की बड़ी बैठक है,मगर उम्मीद एक छोटे से घर की है...

प्रो.आर.के.जैन
बड़वानी,मध्यप्रदेश

दिल्ली इन दिनों राजधानी नहीं,दुनिया की कूटनीति का बड़ा पड़ाव है। सड़कों पर झंडे,होटलों में विदेशी मेहमान और भारत मंडपम में ब्रिक्स का मंच तैयार है। पुतिन पहुंच चुके हैं,शी जिनपिंग आने वाले हैं और मोदी मेजबान हैं। कैमरे मुलाकात दर्ज करेंगे, दुनिया नतीजे देखेगी। उम्मीद है, पुतिन-शी-मोदी की बैठक ब्रिक्स को नई दिशा देगी। लेकिन दिशा की परीक्षा मंजिल पर होती है। सवाल यह नहीं कि कितनी देर बैठक होगी या कितनी तस्वीरें आएंगी; सवाल है कि बंद कमरे का फैसला उस आदमी तक कब पहुंचेगा,जो तेल का भाव सुनकर जेब टटोलता है। क्या महंगाई को राहत मिलेगी,ऊर्जा संकट का रास्ता निकलेगा या फिर एक चमकदार बयान ही आएगा?

इस त्रिकोण की अहमियत है कि तीनों देशों के हित अलग हैं। रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है, चीन सीमाओं और व्यापारिक विस्तार में व्यस्त है,जबकि भारत दोनों से रिश्ते निभाते हुए स्वतंत्र राह तलाश रहा है। गलवान की कड़वी स्मृति के बाद करीब सात साल में शी जिनपिंग का दिल्ली आना सामान्य यात्रा नहीं है। यह भरोसे की वापसी है, मजबूरी या रणनीतिक जरूरत–समय बताएगा। उधर ईरान युद्ध ने पश्चिम एशिया को अस्थिर कर दिया है और कच्चा तेल सौ डॉलर प्रति बैरल के पार है। दुनिया महंगाई की चक्की में पिस रही है। ऐसे में ब्रिक्स की मेज पर'सहयोग','बहुपक्ष वाद' और 'ग्लोबल साउथ' जैसे शब्द ही गूंजते रहे, तो पेट्रोल सस्ता नहीं होगा। जनता को नारे नहीं,नतीजे चाहिए।

ब्रिक्स अब पांच देशों का पुराना क्लब नहीं रहा। ग्यारह सदस्य और पार्टनर देश जुड़ चुके हैं। दायरा बढ़ा है तो चुनौतियां भी बढ़ी हैं। खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और सप्लाई चेन बड़े सवाल हैं,क्योंकि युद्ध की मार सीमा से निकलकर खेत,कारखाने,रसोई और बाजार तक पहुंचती है। इतने देशों में सहमति आसान नहीं। ईरान और यूएई के मतभेद इसका उदाहरण हैं। साझा बयान बन सकता है,साझा रास्ता कठिन है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स पश्चिम-विरोधी गुट नहीं, पूरक शक्ति बने। अमेरिका से रिश्ते भी रखने हैं और रूस-चीन से संवाद भी। भारत की कूटनीति इसी रस्सी पर है–दुनिया तालियां भी बजा रही है और हर कदम का हिसाब भी रख रही है। इस सम्मेलन की कीमत दिल्ली का आम नागरिक चुका रहा है। सड़कें बंद हैं, ट्रैफिक थमा है,मेट्रो में भीड़ है और करीब पंद्रह हजार पुलिसकर्मी तैनात हैं। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन मेहमानों के स्वागत में मेजबान की राह बंद हो तो सवाल उठता है। महंगाई और बारिश के बीच आम परिवार पहले ही परेशान हैं। पोषण माह में बच्चों के स्वास्थ्य की बात हो रही है,पर महंगाई में पौष्टिक भोजन जुटाना भी मुश्किल है। ब्रिक्स की सफलता तभी होगी, जब इसकी गूंज टीवी से निकलकर गांव की चौपाल,किसान के खेत,मजदूर की थाली और मध्यमवर्ग की रसोई तक पहुंचे। वरना मंच चमकेगा,जनता की जिंदगी नहीं।

पुतिन के साथ रक्षा सहयोग भारत-रूस रिश्तों की ताकत है। ब्रह्मोस,सुखोई और एस-400 सिर्फ हथियार नहीं, सामरिक रिश्तों की पहचान हैं। भारत आत्मनिर्भर बनना चाहता है,लेकिन इसका मतलब सिर्फ देश में उत्पादन नहीं, संकट में किसी एक देश पर जरूरत से ज्यादा निर्भर न रहना भी है। रूस से सहयोग बढ़ाते हुए देखना होगा कि निर्भरता घट रही है या रूप बदल रही है। शी जिनपिंग से बातचीत और संवेदन शील है। सीमा विवाद और व्यापार घाटे पर मुस्कान नहीं,स्पष्टता चाहिए। गलवान के बाद हाथ मिलाना अच्छी तस्वीर है,लेकिन रिश्ते तभी सुधरेंगे जब सीमा पर भरोसा और व्यापार में संतुलन दिखे।

मौसम ने भी याद दिला दिया है कि दुनिया की समस्याएं सिर्फ राजधानियों में नहीं सुलझतीं। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट है और चक्रवातों का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन ब्रिक्स के एजेंडे में सिर्फ औपचारिकता नहीं,ठोस कार्रवाई बनना चाहिए। प्रकृति भाषण नहीं सुनती। बाढ़ आती है तो गरीब का घर उजड़ता है, किसान की फसल डूबती है और राहत की सबसे ज्यादा जरूरत उसी को होती है। खाद्य सुरक्षा की बात हो तो किसान तक मदद पहुंचे,ऊर्जा सुरक्षा की चर्चा हो तो तेल संकट में विकासशील देशों को राहत मिले और आपदा प्रबंधन की सहमति चेतावनी को समय पर राहत में बदले। वरना फाइलें मोटी होती रहेंगी,संकट नहीं घटेगा।

यहीं भारत की असली परीक्षा है। रूस से मित्रता,चीन की चुनौती और अमेरिका से रणनीतिक रिश्ते–तीनों साधने हैं। साथ ही ब्रिक्स को किसी एक खेमे का औजार बनने से रोकना है। भारत रूस-चीन के बीच संवाद का पुल बने,ऊर्जा और खाद्य संकट पर व्यावहारिक सहयोग जुटाए और अपने हित स्पष्ट रखते हुए सभी से रिश्ते साधे, तभी ब्रिक्स की नई दिशा उसकी कूटनीतिक उपलब्धि होगी। लेकिन पुल की विडंबना है–सब उस पर से गुजरते हैं, वह दो किनारों के बीच खड़ा रहता है। भारत को सिर्फ पुल नहीं, अपनी जमीन भी मजबूत करनी है। यही बैठक की सबसे कठिन कसौटी है।

फैसला मंच की चमक नहीं,उसका असर करेगा। पुतिन आए, शी आए, मोदी ने स्वागत किया,कैमरे चमके–इतना इतिहास नहीं बनाता। इतिहास वे फैसले याद रखता है,जो जिंदगी बदलते हैं। ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बनना है तो व्यापार आसान, ऊर्जा संकट का हल, खाद्य सुरक्षा को किसान-उपभोक्ता से जोड़ना,सप्लाई चेन मजबूत करना और भारत-चीन सीमा विवाद व व्यापार घाटे पर ठोस कदम जरूरी हैं। दिल्ली सज चुकी है,दुनिया की नजर मंच पर है। अब देखना है–मंच से उतरते समय हाथ में बयान होंगे या बदलाव? अगर हालात वही रहे और शब्द बदल गए,तो यह भी उन सम्मेलनों में जुड़ जाएगा, जहां नारे बहुत लगे, मगर पेट की आग नहीं बुझी। उम्मीद है, इस बार इतिहास तस्वीर नहीं, परिणाम याद रखे।

जब मौत ने कहा...मैं तो मजाक कर रही थी

संजय एम. तराणेकर
इन्दौर,मध्यप्रदेश

उस अस्पताल में मृत्यु प्रमाण-पत्र से ज्यादा सांसों की वापसी ने मचाई हलचल। देखा जाये तो अस्पतालों में आमतौर पर मरीज इलाज कराने जाते हैं और डॉक्टर बीमारी का इलाज करते हैं। लेकिन क भी-क भी हालात ऐसे बन जाते हैं कि इलाज से पहले खबरों का इलाज जरूरी हो जाता है।

रीवा के एक अस्पताल की घटना ने तो मानो चिकित्सा विज्ञान और हास्य के बीच की दूरी ही खत्म कर दी। करीब 80 वर्षीय महिला को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया गया। परिवार ने मन भारी कर लिया,अस्पताल की प्रक्रिया आगे बढ़ने लगी और मामला लगभग समाप्त मान लिया गया।

लेकिन अगले दिन कहानी में ऐसा ट्विस्ट आया कि मौत भी शायद अपनी डायरी लेकर बैठ गई होगी-अरे,मेरा नाम गलत लिख दिया क्या?

महिला की सांसें फिर चलती मिलीं। अस्पताल में हड़कंप मच गया। डॉक्टरों ने तत्काल उन्हें दोबारा गंभीर रोगी वार्ड में भर्ती किया और उपचार शुरू कर दिया।

अब सवाल यह नहीं कि सांसें कैसे लौट आईं-सवाल यह है कि मौत की घोषणा इतनी जल्दी क्यों कर दी गई? क्योंकि आजकल हर जगह फास्ट सर्विस का जमाना है। ऑनलाइन खाना जल्दी,मोबाइल रिचार्ज जल्दी,टिकट जल्दी और शायद कुछ जगहों पर मौत की घोषणा भी जल्दी! मगर चिकित्सा कोई फास्ट-फूड काउंटर नहीं है कि...
एक मरीज मृत घोषित कर दीजिए...
और हाँ,पैक करके परिजनों को दे दीजिए! इस घटना का सबसे बड़ा व्यंग्यात्मक पक्ष यही है कि जिस महिला को कागजों में मृत बता दिया गया था, वह अगले दिन मानो खुद अस्पताल से कह रही हों...
भाइयों,कागज बाद में देख लेना,पहले मुझे सांस लेने दो! अस्पताल के दस्तावेजों में मृत्यु दर्ज हो चुकी थी, लेकिन जिंदगी ने दस्तावेजों की परवाह किए बिना अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी। यह स्थिति हमें याद दिलाती है कि कागज पर लिखी गई बात और जमीन पर मौजूद सच्चाई में फर्क होता है।

मृत्यु जैसी गंभीर स्थिति में जांच और चिकित्सकीय मानकों का पालन बेहद जरूरी है। आखिर डॉक्टर के एक निर्णय से किसी परिवार की उम्मीद, भावनाएं और आगे की पूरी प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

और अगर कोई मरीज अगले दिन उठकर सांस लेने लगे तो परिवार वाले डॉक्टर से शायद यही पूछेंगे...
डॉक्टर साहब,मृत्यु प्रमाण-पत्र वापस ले लें,मरीज ने खुद ही अपना अपील-पत्र दाखिल कर दिया है!

यह घटना हंसने का अवसर जरूर देती है और कहती हैं कि-चिकित्सा में जल्दबाजी की कोई गुंजाइश नहीं। जिंदगी और मौत के बीच का फैसला पूरी सावधानी,उचित जांच और निर्धारित चिकित्सकीय प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए। वरना कहीं ऐसा न हो कि अगली बार मौत खुद अस्पताल पहुँचकर बोले...
भाई साहब,मुझे बदनाम मत करो...मैं तो अभी इस मरीज को लेने आई ही नहीं थी!

हिंदी कवितायें

पांच मंजिला इमारत

केशी गुप्ता
द्वारका
दिल्ली

गिर गई पांच मंजिला इमारत
रह रहे थे जिस में कुछ बच्चे
पढ़ने आए अपना घर छोड़ के
लिए आँखो में कई सपने
उड़ना चाहते थे ऊंची उड़ान
छूना चाहते थे आसमान
तिनका तिनका जिनके लिए
जोड़ रहे थे उनके मां बाप
बन जाए कुछ ये पढ़ लिख कर
दुआ करते रह रह कर
चिंता फ़िक्र उन्हें सताती
बच्चों से दूरी दिल दुखाती
मंजिल गिरी टूटा हर सपना
दफना हो गया चिराग उनका
किसको कोसे किसे से कहे
अपने दिल को कैसे समझाएं
सिस्टम,किस्मत सब है दोषी
आज फैली हर तरफ खामोशी
शहर भर में हल्ला हुआ
वाद विवाद का छिड़ा सिलसिला
धीरे धीरे वक्त बीतेगा
सिस्टम फिर इस को भूलेगा
जब तक जागेगी नहीं दुनिया सारी
बदलाव की जंग रहगी जारी

यात्रा स्मरण

हृदय में बस गई दतिया की वह सुबह

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

दतिया नाम आते ही आंखों के सम्मुख सर्वप्रथम जो दृश्य उभरता है, वह है ऊर्जा,प्रेरणा एवं आध्यात्मिकता से ओतप्रोत स्थल श्री पीताम्बरा माई का शक्तिपीठ। ऐतिहासिक दृष्टि से भी दतिया एक समृद्ध नगर है जिसने इतिहास की धरोहर किले,महल,तालाब और गढ़ संभाल लेंगे हैं। इसलिए जब वहां से किसी साहित्यिक समारोह का आमंत्रण मिले,तो खुशी स्वाभाविक है। अगस्त में हिंदी महोत्सव समिति की ओर से 6 सितम्बर,2026 को आयोज्य अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मेलन में सहभागिता हेतु साहित्यकार जगत शर्मा जगत एवं भानु शर्मा का आमंत्रण मिला। मन आनंदित हुआ कि मां पीताम्बरा के दर्शन-पूजन का सौभाग्य मिलेगा,ऐसा लगा कि मानो माई स्वयं ही बुला रही हों। शिक्षक साथी दुर्गेश्वर राय,गोरखपुर ने अतर्रा से दतिया जाने-आने का ट्रेन टिकट आरक्षित कर दिया तो राह आसान हो गई।

समय सिर पर पांव धर भाग रहा था। 5 सितम्बर को बुंदेलखंड एक्सप्रेस से 12.30 पर प्रस्थान था,किंतु एक सप्ताह पूर्व से ही भयंकर बारिश से नदी-नाले उफनाए हुए थे। अतर्रा की गली-गली पानी में डूबी हुई थी। पावन तीर्थ चित्रकूट में तो मां मंदाकिनी का जल रामघाट की दूकानों के ऊपर से बहता हुआ सड़क तक पहुंच गया था,जिस पर नावें चल रही थीं। 5 सितम्बर को दिन में बारिश कम हुई थी। मैं रात 11.20 पर घर से निकला। रात को रिक्शा मिलता नहीं,पैदल ही स्टेशन जाना था।

आसमान से पानी फुहारे बन बरस रहा था। बीस कदम ही चला तो लगा कि भींग जाऊंगा। बैग से तौलिया निकाल सिर पर ओढ़ लिया तो बचाव हो गया। घर पर प्रतिदिन भोजन करने वाले लाली और उसके बच्चे भैरू,कालू, चुन्नू मिल गये। मुझे पहचान आगे-पीछे उछलते-कूदते चलने लगे। मना किया तो चुन्नू और कालू तो रुक गये किंतु लाली और भैरू लगातार पीछा करते रहे,जैसे मुझे सुरक्षित पहुंचाना चाह रहे हों। मुझे डर था कि सड़क पर कहीं कुत्तों का झुंड मिल गया तो मुश्किल होगी। तब बहुत डांटकर भगाया तब लौट गये। मैं बहुत दूर तक पीछे पलट कर देखता रहा कि कहीं दौड़कर आ न जायें।

स्टेशन पहुंचने तक तौलिया तो पूरा भींग गया पर उसने मुझे बचा लिया। प्लेटफार्म एक पर 10 मिनट विलम्ब से ट्रेन आई। किंतु इसी बीच इतनी घनघोर बारिश शुरू हुई कि चार कदम चलने पर ही आदमी तर हो जाये। एस-4 में 40 नम्बर अपर साइड की सीट थी। टीन शेड के नीचे एस-3 कोच लगा,उसी से चढ़कर मैं अपनी बर्थ पर पहुंच लेट गया। कोच पर सन्नाटा पसरा था। जल्दी ही आंख लग गई। चाय-चाय की आवाज से झांसी जंक्शन पर आंख खुली। आगे दतिया ही था तो सामान समेट बैठ गया। दतिया स्टेशन बिलकुल खुला है,ठंढी हवा बह रही थी। ट्रेन से उतर हाथ-पैर सीधे किए। बाहर रिक्शा कर होटल ब्लू स्टार पहुंच गया। अपने लिए निर्धारित कक्ष पर पहुंचा तो दिल्ली से पधारे रचनाकार साथी अभिषेक मिश्र मिले,जो कम्बल ताने सो रहे थे। थोडी ही देर में प्रतापगढ़ से भोपाल प्रसाद वर्मा भी सपत्नीक पहुंच गये,वह मुझे पूर्व से जानते थे। स्नान कर मां पीताम्बरा के दर्शन की योजना बनी। माई के द्वार पर पहुंच मोबाइल फोन जमा कर प्रसाद और पुष्प मालाएं लिया। शनिवार को दर्शनार्थियों की संख्या अत्यधिक होती है, किंतु रविवार होने से मंदिर के प्रांगण में दर्शनार्थियों की अधिक भीड़ न थी, हम लोग पंक्ति में लग गये और थोड़ी ही देर में मां के सम्मुख थे।आकर्षक श्वेत संगमरमर मूरत की छवि उर में अंकित हो गई। दर्शन कर श्रद्धा से शीश झुकाया। स्वयं में ऊर्जा की लहर दौड़ती अनुभव हुई,लगा यह पल यहीं ठहर जाए। आगे मां धूमावती के मंदिर पहुंचे,कपाट बंद मिले। वहीं थाल में रखा प्रसाद स्वरूप बेसन के सेव लिया।

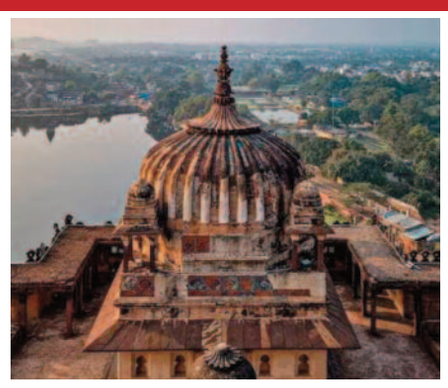

फिर ध्यान कक्ष,यज्ञ मंडप,सरोवर आदि घूमकर हृदय में दतिया की मनोहारी सुबह बसाए बाहर निकल मोबाइल उठाया। चौक पर स्थापित राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त की प्रतिमा पर भाव पुष्पांजलि अर्पित कर फोटो लिए गये। आगे बढ़े तो एक दूकान पर बहुत भीड़ दिखी,ऐसा लगा कि मानो पूरा शहर उमड़ आया हो। पता चला कि कचौड़ी-पूड़ी की मशहूर दुकान है। बीस रुपए में एक दोना में दो कचौड़ी-सब्जी। सभी ने एक-एक दोना लिया। सब्जी बहुत तीखी थी,मेरा तो पेट जलने लगा। वहां से चले तो रास्ते में हनुमान जी का दिव्य मंदिर दिखा। मैं,भोपाल जी और उनकी धर्मपत्नी निशा कटियार ने हनुमान जी का दर्शन किया और रिक्शा कर होटल पहुंच कमरे में विश्राम किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र 9 बजे के पूर्व जलपान में साहित्यकारों के साथ पोहा, समोसा और चाय का आनंद लिया।

भानु शर्मा के अनुरोध पर मैंने पंजीकरण और सामग्री वितरण की जिम्मेदारी संभाल ली। कार्यक्रम हेतु सभागार में मंच के दायें ओर मेज पर मां सरस्वती की प्रतिमा और सद्ग्रंथ सजे थे। दीप प्रज्ज्वलित कर परिचय सत्र आरंभ हुआ तो पता चला कि 14 राज्यों से साहित्यकार पधारे हैं। भोजन के पहले सत्र का मुख्य विषय साहित्य,संस्कार, संस्कृति, संयम और जेन जी पर केंद्रित था। मुझे इस चर्चा सत्र की अध्यक्षता करने का सौभाग्य मिला, साथ में थे धुरंधर फिल्म के अभिनेता संजय मेहता जी, गीत गागर पत्रिका के संपादक दिनेश प्रभात जी,बाल साहित्य शोध संस्थान की डॉ. मीनू पांडेय और कुछ अन्य साथी। मैंने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि अवांछनीय तत्वों को जीवन से बाहर करना संस्कार है। भाषा, साहित्य,रीति-रिवाज,खान-पान, पहनावा, प्रकृति आदि के मेल से संस्कृति रूप ग्रहण करती है। जेन जी हर युग और पीढ़ी में होते हैं,भले ही उनके नाम अलग हों। खुदीराम बोस,भगत सिंह,बिस्मिल, आजाद आदि क्रांतिकारी,बाजीराव पेशवा,आचार्य आदि शंकराचार्य, अष्टावक्र,नचिकेता, स्वामी विवेकानंद आदि युवा समकालीन चुनौतियों से जूझते हुए समाधान दिए,वे अपने युग के जेन जी थे। सत्र पश्चात् भोजन में पूड़ी, रोटी,पुलाव,दाल,सब्जी, सलाद, रायता,रसगुल्ला आदि खा-पीकर तृप्त हुए और सम्मान सत्र हेतु सभागार में उपस्थित हुए,जहां सभी साहित्यकारों को मुख्य अतिथि संजय मेहता जी द्वारा शॉल ओढ़ाकर सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सायंकाल कवि सम्मेलन में काव्य सरिता में अवगाहन करते हुए रात्रि भोजन लेकर 10.30 बजे अपनी ट्रेन पकड़ी और मध्य रात्रि 3 बजे घर पहुंच स्नान कर सो गया।

इस एक दिन की छोटी सी यात्रा ने सिखा दिया कि आपाधापी के दौर में शांतिमय आनंदपूर्वक जीवन यापन के लिए मित्रों से मिलना-जुलना,मन की बातें साझा करना आवश्यक है और आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण-पर्यटन भी,ताकि अपनी संस्कृति,सभ्यता एवं लोक को समझने का अवसर मिलता रहे,जिनसे हम सतत समृद्ध होते रहते हैं।

CMYK

बारिश में 'मौत के गड्ढे' बन गई एनएच की सड़क,रोज फंस रहे वाहन

खरसिया चौक के पास पानी से लबालब गड्ढे नहीं दिखते,दोपहिया चालक सबसे ज्यादा जोखिम में...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

स्वच्छ शहर की पहचान रखने वाले अंबिकापुर में एनएच की बदहाल सड़क अब यातायात के लिए बड़ा खतरा बन गई है। खरसिया चौक के पास सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश का पानी भरने के बाद इनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। इससे वाहन चालक आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कार और भारी वाहन भी गड्ढों में फंसने से मार्ग पर जाम की स्थिति बन रही है। सड़क की बदहाली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें सड़क पर पानी भरा नजर आ रहा है। इसी दौरान एक बाइक सवार गहरे गड्ढे में गिरकर पानी में फंस जाता है। आसपास मौजूद लोग तत्काल उसकी मदद के लिए पहुंचते हैं और उसे बाहर निकालते हैं। समय पर मदद मिलने से बड़ा हादसा टल गया। यह वीडियो सड़क की मौजूदा स्थिति और उससे पैदा हो रहे खतरे को सामने ला रहा है। बारिश के दौरान सड़क पर पानी जमा होने से वाहन चालकों को सामने मौजूद गड्ढे दिखाई नहीं देते। खासकर दोपहिया वाहन चालक अचानक गड्ढे में पहुंचने से संतुलन खो देते हैं। वहीं, बड़े गड्ढों में कार और भारी वाहन फंसने के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। इस मार्ग से

सीतापुर, बतौली, रायगढ़, पत्थलगांव और जशपुर सहित कई क्षेत्रों के लिए बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं।

मरम्मत के बाद फिर उखड़ी सड़क : कुछ दिन पहले सड़क के गड्ढों को भरने का काम किया गया था, लेकिन बारिश के दौरान मिट्टी और मुरुम बह जाने से सड़क की स्थिति फिर खराब हो गई। अब कई स्थानों पर पहले से अधिक गहरे गड्ढे बन गए हैं। इससे सवाल उठ रहा है कि बारिश के दौरान की गई अस्थायी मरम्मत आखिर कितनी कारगर साबित हुई।

पहले भी फटकार के बाद हुई थी मरम्मत

कुछ दिन पूर्व भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के सरगुजा प्रवास के दौरान सीतापुर क्षेत्र में जर्जर एनएच पर उनका वाहन भी फंस गया था। इसके बाद उन्होंने सरगुजा प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी और विभागीय अधिकारियों को सड़क की स्थिति को लेकर फटकार लगाई थी। इसके बाद विभाग ने गड्ढों को भरने का काम कराया था। बावजूद इसके बारिश के बाद सड़क फिर बदहाल हो गई है।

स्थायी समाधान की मांग...

स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार गड्ढे भरने के बजाय सड़क का स्थायी सुधार जरूरी है। बारिश के दौरान सड़क पर पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से समस्या और गंभीर हो जाती है। लोगों ने एनएच की इस महत्वपूर्ण सड़क की तत्काल मरम्मत के साथ जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

मेहमानों को पलंग देकर जमीन पर सोई सरपंच,करैत ने डसा,अस्पताल पहुंचते ही मौत

रात ढाई बजे पेट में मरोड़ की शिकायत पर खुला राज, पति के पीठ के नीचे भी था जहरीला सांप,बतौली की घटना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मेहमानों के लिए अपना पलंग छोड़कर जमीन पर सोना बतौली की महिला सरपंच के लिए जानलेवा साबित हुआ। गुरुवार रात करीब ढाई बजे जमीन पर सो रही ग्राम पंचायत बतौली की सरपंच जगरमती पैंकरा (48) को करैत सांप ने पेट में डस लिया। नींद खुलने पर उन्होंने पति से पेट में मरोड़ होने की बात कही। परिजन इसे सामान्य पेट दर्द समझकर मालिश करने लगे। इसी दौरान पेट पर सांप के डसने का निशान दिखाई दिया। इसके बाद जब पति ने आसपास देखा तो उनकी पीठ के नीचे भी करैत सांप मौजूद था। हालांकि सांप ने पति को नहीं डसा। घटना के बाद परिजन तत्काल सांप को टब से ढककर महिला को शांतिपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया। अस्पताल पहुंचने के बाद जांच के दौरान डॉक्टरों ने सरपंच को मृत घोषित कर दिया।

बताया गया कि 10 सितंबर को जगरमती पैंकरा के घर मेहमान आए थे। रात में सभी ने साथ खाना खाया। इसके बाद सोने की व्यवस्था की गई। सरपंच ने अपना पलंग मेहमानों के लिए छोड़ दिया और खुद जमीन पर सो गईं। रात करीब ढाई बजे अचानक उनकी नींद खुली और उन्हें उल्टी होने लगी। पति व अन्य परिजनों ने कारण पूछा तो उन्होंने पेट में मरोड़ होने की बात बताई। परिजन इसे सामान्य पेट दर्द मानकर उनकी मालिश करने लगे। इसी दौरान पेट पर

सांप के डसने का निशान दिखाई दिया। निशान देखते ही परिजनों के होश उड़ गए।

पति की पीठ के नीचे मिला करैत

पत्नी के पेट पर सांप के डसने का निशान मिलने के बाद पति ने आसपास देखा तो उसकी पीठ के नीचे करैत सांप मौजूद था। गनीमत रही कि सांप ने पति को नहीं डसा। परिजनों ने तत्काल सांप को एक टब से ढक दिया और महिला को अस्पताल पहुंचाया।

बारिश में बढ़ जाता है सर्पदंश का खतरा

बारिश के मौसम में सरगुजा संभाग में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इस वर्ष भी संभाग में चार दर्जन से अधिक लोगों की सर्पदंश से मौत होने की जानकारी सामने आई है। करैत जैसे जहरीले सांप अक्सर घरों में घुस जाते हैं। जमीन पर सोने वालों के लिए इनसे खतरा और बढ़ जाता है।

600 छात्राओं ने सीखा साइबर ठगी से बचाव का तरीका

नर्सिंग कॉलेज,कृषि महाविद्यालय और केंद्र बिंदु संस्था में चला जागरूकता अभियान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

बढ़ते साइबर अपराधों के बीच छात्राओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस द्वारा विशेष साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शासकीय नर्सिंग कॉलेज गंगापुर,राजमोहनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं केंद्र बिंदु संस्था में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 600 छात्राओं ने सहभागिता करते हुए साइबर सुरक्षा की शपथ ली। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी के नेतृत्व में चल रहे अभियान में बालिकाओं की सुरक्षा और सहभागिता को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने छात्राओं को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी,सोशल मीडिया हैकिंग,पहचान की चोरी और साइबर बुलिंग जैसे बढ़ते साइबर अपराधों की जानकारी दी। छात्राओं को बताया गया कि सोशल मीडिया पर निजी जानकारी,फोटो और अन्य संवेदनशील विवरण साझा करते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक पर बिना जांच के क्लिक नहीं करें और बैंक खाते से संबंधित जानकारी,एटीएम/कार्ड विवरण अथवा ओटीपी किसी के साथ साझा न करें।

मजबूत पासवर्ड और सतर्कता जरूरी : साइबर विशेषज्ञों ने ई-मेल और सोशल मीडिया खातों के लिए मजबूत एवं अलग-अलग पासवर्ड रखने की सलाह दी। साथ ही संदिग्ध कॉल,मैसेज,लिंक और ऑनलाइन ऑफर के झांसे में नहीं आने तथा किसी भी असामान्य गतिविधि की स्थिति में तत्काल सावधानी बरतने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्राओं को साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया भी समझाई गई। विशेषज्ञों ने कहा कि साइबर अपराध के मामलों में समय पर शिकायत करना महत्वपूर्ण है। अभियान के अंत में छात्राओं ने साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूक रहने और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी डिजिटल अपराधों से बचाव के लिए जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया।

दीक्षारंभ समारोह में नवप्रवेशी विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर अंतर्गत संचालित राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर तथा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र शंकरगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में नवप्रवेशित स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए 'दीक्षारंभ समारोह 2026-27' का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। 11 से 25 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के वातावरण, अकादमिक गतिविधियों तथा महाविद्यालयीन जीवन से परिचित कराया जाएगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. सिन्हा ने दीक्षारंभ कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य की जानकारी देते हुए नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र शंकरगढ़ के अधिष्ठाता डॉ. जी.पी. पैंकरा ने भी विद्यार्थियों को दीक्षारंभ समारोह के महत्व से अवगत कराया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साइबर ठगी से बचने विद्यार्थियों को किया जागरूक : कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि रामगीर साय, एएसआई,छत्तीसगढ़ पुलिस ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध की विभिन्न घटनाओं और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी।

उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल,लिंक,ओटीपी,बैंकिंग फ्रॉड एवं सोशल मीडिया से जुड़े साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने की समझाइश दी। कार्यक्रम में सविता मरावी,संगीता बड़ा,लोरेटा एक्का, अतुल गुप्ता,बसंत श्रीवास्तव एवं राजकुमार ने भी साइबर अपराध से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। विद्यार्थियों से अपील की गई कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, पासवर्ड, बैंक संबंधी जानकारी अथवा अन्य संवेदनशील जानकारी साझा न करें और संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें।

विद्यार्थियों ने कराया परिचय : दीक्षारंभ के प्रथम दिवस नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं ने अपना परिचय दिया। इससे विद्यार्थियों के बीच आपसी परिचय और संवाद का वातावरण बना। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डी.एस. महिपाल,एनएसएस एवं सांस्कृतिक प्रभारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. के.एल. पैंकरा,सह-संचालक, परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर, डॉ. पी.के. भगत,वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, आलू अनुसंधान केंद्र मैनपाट,डॉ.वी.एन. गौतम,वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख,कृषि विज्ञान केंद्र सीतापुर,डॉ.नीलम चौकसे, शैक्षणिक अधिकारी,डॉ. राजेश चौकसे,डॉ. एस.आर.दुबौलिया, डॉ. आर.एस. सिदार, डॉ. रंजीत कुमार,डॉ. रूथ एलिजाबेथ एक्का, किरण तिग्गा,डॉ. जहार सिंह,डॉ. अरुणिमा त्रिपाठी, डॉ.मधुलिका सिंह,डॉ.अखिलेश लकड़ा,डॉ. अर्यमा भारती, डॉ.नैनसी आकांक्षा मिंज,डॉ. स्नेहा तिवारी सहित महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। अंत में अधिष्ठाता डॉ. एस.के. सिन्हा की अनुमति से दीक्षारंभ समारोह के प्रथम दिवस के कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। समारोह के आगामी दिनों में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, जागरूकता एवं परिचयात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

नशीले इंजेक्शन बेचने वाले को 12 साल की सजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

विशेष न्यायाधीश नारकोटिक्स अंबिकापुर अतुल कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने नशीले इंजेक्शन रखने के मामले में दरींपारा निवासी सूरज यादव (पिता गोपाल यादव) को 12 वर्ष के सश्रम कारावास और एक लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं देने पर आरोपी को छह माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। न्यायालय ने 10 सितंबर को फैसला सुनाया। अभियोजन के अनुसार 29 सितंबर 2025 की रात सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सूरज यादव टीवीएस बाइक क्रमांक सीजी 15 सीएच 0906 से मेडिकल कॉलेज के पास हर्राटिकरा पुलिया के आसपास नशीले इंजेक्शन की सप्लाई करने पहुंचने वाला है। सूचना पर आबकारी उड़नदस्ता टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। उसके पीठ पर टंगे बैग की तलाशी लेने पर 99 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन और 79 नग एविल इंजेक्शन बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(सी) के तहत कार्रवाई कर 30 सितंबर 2025 को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी को जमानत नहीं मिली। प्रकरण में आरोपी की ओर से अधिवक्ता संजय अम्बष्ट तथा अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र पांडे ने पैरवी की। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने कहा कि नशीले पदार्थों की बिक्री से बड़ी संख्या में लोगों का जीवन प्रभावित होता है।

सड़कों की बदहाली के खिलाफ कांग्रेस का चक्काजाम 15 को

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शहर की जर्जर सड़कों के विरोध में कांग्रेस 15 सितंबर को चक्काजाम करेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक और नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने बताया कि दोपहर 1 बजे एमजी रोड स्थित विशुनपुर चौक,माखन विहार के पास प्रदर्शन किया जाएगा। कांग्रेस ने राष्ट्रीय राजमार्ग,पीडब्ल्यूडी और नगर निगम की सड़कों के तत्काल सुधार और आवश्यक स्थानों पर नवनिर्माण की मांग की है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि शहर की सड़कों पर बड़े-बड़े गडढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का पता नहीं चलता और दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे हैं।

साहित्य समाज का दर्पण,सत्ता से सवाल करने का भी माध्यम : द्वितेन्द्र मिश्र

भारतेन्दु जयंती पर साहित्य-कला समिति का वार्षिकोत्सव,वंदना दत्ता को मिला 'पं. जीवन नाथ मिश्र सम्मान'

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

हिन्दी साहित्य के युग प्रवर्तक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की जयंती के अवसर पर भारतेन्दु साहित्य-कला समिति का वार्षिकोत्सव साहित्य,संगीत,नृत्य,विचार-विमर्श और सम्मान समारोह के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। स्टेडियम परिसर स्थित भारतेन्दु साहित्य-कला भवन में आयोजित कार्यक्रम में साहित्य और कला से जुड़े बड़ी संख्या में सुधीजनों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं समिति की अध्यक्ष श्रीमती नीलिमा मिश्र ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एवं समिति के संस्थापक स्व. पं. जीवन नाथ मिश्र के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। मुख्य अतिथि मनेन्द्रगढ़ के वरिष्ठ साहित्यकार वीरेन्द्र श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि डॉ. सुदामा मिश्र एवं राजेश मिश्र तथा कार्यक्रम अध्यक्ष

वरिष्ठ साहित्यकार बबन जी पाण्डेय का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संध्या सिंह ने किया।

भारतेन्दु हिन्दी के उत्थान के मील का पत्थर : विचार गोष्ठी में वरिष्ठ साहित्यकार वीरेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि भारतेन्दु काल हिन्दी गद्य की अनेक विधाओं के विकास का साक्षी रहा है। आज हिन्दी देश ही नहीं,बल्कि विदेशों में भी व्यापक रूप से बोली और समझी जा रही है। ऐसे दौर में हिन्दी के उत्थान में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के योगदान को मील का पत्थर कहा जा सकता है। डॉ. सुदामा मिश्र ने भारतेन्दु को नवजागरण का पुरोधा और राष्ट्रीय चेतना का संवाहक बताते हुए कहा कि उनके व्यक्तित्व में राष्ट्रप्रेम और भाषा के प्रति गहरा लगाव था। राजेश मिश्र ने कहा कि आधुनिक हिन्दी के निर्माण में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की भूमिका केंद्रीय रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार बबन जी पाण्डेय ने कहा कि भारतेन्दु हिन्दी साहित्य में युग प्रवर्तक के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने हिन्दी को जनभाषा के रूप में स्थापित करने और सामाजिक रूढ़ियों के विरुद्ध चेतना जगाने का कार्य किया।

'साहित्य समाज का दर्पण, सत्ता से सवाल करने का माध्यम' : संस्था के संरक्षक-संयोजक द्वितेन्द्र मिश्र ने साहित्य और साहित्यकारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि साहित्यकार समाज के दर्पण की भूमिका निभाता है। वह तटस्थ रहकर समाज को दिशा दिखाने के साथ सत्ता से सवाल करने का साहस भी रखता है। इसी अवसर पर समिति के संस्थापक एवं दिवंगत पूर्व अध्यक्ष स्व. जीवन नाथ मिश्र की स्मृति में प्रदान किए जाने वाले 'पं. जीवन नाथ मिश्र सम्मान-2026' की घोषणा की गई। इस वर्ष सरगुजा की समाजसेविका वंदना दत्ता को उनके सामाजिक एवं बहुआयामी योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उन्हें शॉल,श्रीफल,पुष्पगुच्छ,प्रशस्ति पत्र,स्मृति चिह्न एवं 11 हजार रुपए की सम्मान राशि प्रदान की। समिति की अध्यक्ष श्रीमती नीलिमा मिश्र ने वंदना दत्ता के व्यक्तित्व और सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें समाज की महत्वपूर्ण धरोहर बताया। सम्मान प्राप्त करने के बाद वंदना दत्ता ने समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सम्मान को सभी के सहयोग का परिणाम बताया।

गीत-संगीत और लोककला ने बांधा समां : कार्यक्रम के दूसरे चरण में स्थानीय संगीत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शिक्षक डॉ. मानक टंडन के मार्गदर्शन में लोकगीत,भजन सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। एक छात्रा ने तीजन बाई की शैली में महाभारत के प्रसंग की प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। प्रेमानंद पातर ने भजन एवं गीत प्रस्तुत किए,जबकि गोधनपुर के रवि पाण्डेय ने गजलों की प्रस्तुति से समां बांध दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती संध्या सिंह ने किया तथा आभार समिति के सचिव डॉ. सुधीर पाठक ने व्यक्त किया। समारोह में डॉ. पुष्पा सिंह,एम.एम. मेहता,हरिकिशन शर्मा,आर.डी. मिश्र, कन्हैया लाल गौड़,राम लोलार्क मिश्र,डॉ. राम कुमार मिश्र,देवेन्द्र दुबे सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार, कलाकार एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रीतिभोज एवं शुभकामनाओं के साथ हुआ।

5,596 परिवारों के घर गूंजी गृह प्रवेश की खुशियां....लखनपुर में

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने हितग्राहियों को सौंपी 'खुशियों की चाबी'

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

किसी के लिए पक्का घर सिर्फ चार दीवारें नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व का सपना होता है। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न आवास योजनाओं के तहत तैयार हुए 5,596 आवासों में शुक्रवार को गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया। आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के ग्राम पंचायत गोरता में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए और हितग्राहियों को उनके नए घर की 'खुशियों की चाबी' सौंपी। मंत्री श्री अग्रवाल ने विधिवत पूजन और फीता काटकर हितग्राही परिवारों को

नवनिर्मित पक्के मकानों में गृह प्रवेश कराया। इस दौरान जुगेंद्र राजवाड़े और उनकी पत्नी फूलमती को नए घर की चाबी सौंपी गई। चाबी मिलते ही परिवार के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। परिवार ने पक्का घर मिलने पर शासन-प्रशासन के प्रति आभार जताया। इसी तरह जोगेंद्र राजवाड़े, छीहारो, संतोष सहित अन्य हितग्राहियों को भी मंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से 'खुशियों की चाबी' प्रदान की। कार्यक्रम में जनपद पंचायत लखनपुर अध्यक्ष शशिकला सिंह, उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े, ग्राम पंचायत के सरपंच-पंच, जनपद सीईओ खुशबू शास्त्री, अधिकारी-कर्मचारी, एबीपी फेलो और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

4,967 पीएम आवास,398 पीएम जनमन और 231 मुख्यमंत्री आवास : जिले में आयोजित गृह प्रवेश कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 4,967, पीएम जनमन योजना के 398 तथा मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 231 आवास शामिल हैं। इस तरह कुल 5,596 परिवारों को अपने पक्के घर में प्रवेश का अवसर मिला। विकासखंडवार आंकड़ों में अंबिकापुर में 1,235,बतौली में 737, लखनपुर में 1,033, लुंड्रा में 685, मैनपाट में 577, सीतापुर में 626 और उदयपुर में 703 आवासों में गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित हुआ।

मंत्री ने अपूर्ण आवास जल्द पूरा करने के दिए निर्देश : कार्यक्रम के दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत शेष आवासों को भी शीघ्र पूरा करने के लिए हितग्राहियों को प्रेरित किया। अधिकारियों ने हितग्राहियों से आवास निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और अपूर्ण आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

CMYK

झगराखंड की शिक्षिका इशिता पांडे का ऑक्सफोर्ड तक सफर

छत्तीसगढ़ की बेटी इशिता पांडे ने बढ़ाया शिक्षा जगत का मान,ऑक्सफोर्ड में होंगी शामिल

9,400 शिक्षकों में चमकीं इशिता पांडे,अब ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में विशेष प्रशिक्षण

झगराखंड से ऑक्सफोर्ड तक पहुंचीं शिक्षिका इशिता पांडे

'इंडियाज बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स 2026' की राष्ट्रीय विजेता बनीं इशिता पांडे

कंप्यूटर साइंस के नवाचार ने दिलाई राष्ट्रीय पहचान, अब ऑक्सफोर्ड का बुलावा

राष्ट्रीय मंच पर झगराखंड का गौरव, इशिता पांडे को ऑक्सफोर्ड में प्रशिक्षण का अवसर

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

केंद्रीय विद्यालय SECL झगराखंड की कंप्यूटर साइंस शिक्षिका इशिता पांडे ने शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले सहित छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें 'इंडियाज बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स 2026' में सरकारी स्कूल श्रेणी के अंतर्गत कंप्यूटर साइंस विषय की राष्ट्रीय विजेता चुना गया। यह सम्मान शिव नादर फाउंडेशन और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के Saïd Business School से जुड़े प्रतिष्ठित कार्यक्रम के तहत प्रदान किया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर के 32 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से 9,400 से अधिक शिक्षकों ने नामांकन कराया था। कड़ी चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों से गुजरने के बाद इशिता पांडे ने राष्ट्रीय विजेताओं में स्थान बनाया।

अब ऑक्सफोर्ड में मिलेगा विशेष प्रशिक्षण का अवसर- राष्ट्रीय विजेता बनने के बाद इशिता पांडे को niversity of Oxford के Saïd Business School में आयोजित एक सप्ताह के विशेष शैक्षणिक एवं नेतृत्व कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा, इसके साथ ही वह पांच सप्ताह के ऑनलाइन प्रोफेशनल डेवलपमेंट कार्यक्रम का भी हिस्सा बनेंगी, यह कार्यक्रम उनके लिए न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक अनुभव हासिल करने का अवसर होगा, बल्कि शिक्षा में नेतृत्व, नवाचार और आधुनिक तकनीक के उपयोग से जुड़े नए आयामों को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

CS Labs सॉफ्टवेयर को अंतरराष्ट्रीय जूरी ने सराहा- राष्ट्रीय फाइनल के दौरान इशिता पांडे द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों को अंतरराष्ट्रीय जूरी की विशेष सराहना मिली, विशेष रूप से उनके द्वारा विकसित CS Labs सॉफ्टवेयर को उल्लेखनीय नवाचार के रूप में देखा गया,अंतरराष्ट्रीय जूरी की सदस्य डॉ. क्रिस्टीना यान झांग और कैरी लोमास ने उनके कार्य की सराहना की,डॉ. झांग ने CS Labs सॉफ्टवेयर को आगे व्यापक स्तर पर ले जाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए, उन्होंने इशिता पांडे को इस नवाचार के लिए बौद्धिक संपदा संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ने, एजुकेशन ग्रांट प्राप्त करने तथा सॉफ्टवेयर को बड़े स्तर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों तक पहुंचाने के प्रयास करने का सुझाव दिया,यह सराहना इस बात को रेखांकित करती है कि विद्यालय स्तर पर तकनीक के माध्यम से किए जा रहे उनके प्रयोग को राष्ट्रीय मंच पर ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच भी पहचान मिली है।

तकनीक आधारित शिक्षा को बनाया नवाचार का माध्यम- कंप्यूटर साइंस जैसे तकनीकी विषय को विद्यार्थियों के लिए अधिक प्रयोगात्मक और रोचक बनाने की दिशा में इशिता पांडे द्वारा किए जा रहे प्रयासों को उनकी इस उपलब्धि का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है, उनके नवाचारों का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय उन्हें प्रयोग, तकनीक और समस्या समाधान आधारित सीखने से जोड़ना है। इसी दृष्टिकोण के तहत विकसित CS Labs सॉफ्टवेयर को भी राष्ट्रीय फाइनल में विशेष पहचान मिली।

केंद्रीय विद्यालय संगठन में भी खुशी- इशिता पांडे की इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर केंद्रीय विद्यालय संगठन के रायपुर संभाग, केंद्रीय विद्यालय SECL झगराखंड के विद्यालय परिवार और स्थानीय समुदाय ने हर्ष व्यक्त किया है, विद्यालय परिवार ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताते हुए इशिता पांडे को शुभकामनाएं दीं। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच भी उनकी उपलब्धि को लेकर उत्साह है।

9,400 से अधिक शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पहचान-

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में देशभर से बड़ी संख्या में शिक्षकों ने हिस्सा लिया, 32 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आए 9,400 से अधिक नामांकनों के बीच चयन प्रक्रिया कई चरणों में पूरी हुई, राष्ट्रीय फाइनल का आयोजन शिव नादर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में किया गया, जहां चयन के अंतिम चरण में देशभर से कुल 16 राष्ट्रीय विजेताओं का चयन हुआ। इनमें सरकारी और निजी स्कूल श्रेणी से आठ-आठ शिक्षक शामिल हैं, सरकारी स्कूल श्रेणी में कंप्यूटर साइंस विषय की राष्ट्रीय विजेता के रूप में इशिता पांडे का चयन उनके तकनीक आधारित शिक्षण और नवाचार को मिली राष्ट्रीय पहचान के रूप में देखा जा रहा है।

विद्यालय के प्राचार्य और पूरे परिवार को दिया श्रेय-

अपनी राष्ट्रीय उपलब्धि पर इशिता पांडे ने इसका श्रेय विद्यालय के प्राचार्य बी. एस. श्रीवास्तव के निरंतर प्रोत्साहन एवं सहयोग तथा पूरे विद्यालय परिवार को दिया, उन्होंने कहा कि विद्यालय में नवाचार और तकनीक आधारित शिक्षण को प्रोत्साहित करने वाला सकारात्मक वातावरण मिला, जिसने उन्हें अपने प्रयोगों को आगे बढ़ाने और विद्यार्थियों के लिए नए तरीके विकसित करने का अवसर दिया, उनके अनुसार किसी भी शिक्षक के लिए उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं होती, बल्कि यह उस पूरे संस्थान और टीम के प्रयासों का परिणाम होती है, जहां शिक्षक को नए प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

झगराखंड से ऑक्सफोर्ड तक पहुंची शिक्षिका की उपलब्धि

एक ओर जहां राष्ट्रीय स्तर पर 9,400 से अधिक शिक्षकों के बीच चयन अपने आप में बड़ी उपलब्धि है, वहीं अब इशिता पांडे को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के Saïd Business School के विशेष कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलना उनकी उपलब्धि को अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जाएगा, उनकी यह सफलता यह संदेश भी देती है कि छोटे शहर और सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों में काम कर रहे शिक्षक भी अपने नवाचार और समर्पण के बल पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंच सकते हैं, इशिता पांडे की उपलब्धि को शिक्षा में तकनीक, नवाचार और रचनात्मक प्रयोगों की दिशा में काम कर रहे शिक्षकों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है।

हर स्कूल में सप्ताह में एक घंटे होगा स्काउट-गाइड प्रशिक्षण

डीईओ ने खेल,एनसीसी,रेडक्रॉस,एनएसएस व स्काउट-गाइड गतिविधियों की समीक्षा की...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

जिले के स्कूलों में अब स्काउट-गाइड की गतिविधियों को नियमित और प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाएगा। प्रत्येक स्कूल में स्काउट के लिए पुरुष और गाइड के लिए महिला प्रभारी नियुक्त करने के साथ ही सप्ताह में एक घंटे का नियमित प्रशिक्षण कराने के निर्देश दिए गए हैं। यह निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन कमिश्नर सरगुजा डॉ. दिनेश कुमार झा ने शुक्रवार को शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में खेल, स्काउट-गाइड, एनसीसी, रेडक्रॉस और एनएसएस की अब तक की

गतिविधियों की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। डीईओ ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी गतिविधियां केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इनमें गुणवत्ता,निरंतरता, विद्यार्थियों की सहभागिता और परिणाम दिखाई देना चाहिए। बैठक में रेडक्रॉस और एनएसएस की गतिविधियों को मजबूत करने के लिए जिला स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति करने पर भी चर्चा हुई। इन संगठनों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना,राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने पर जोर दिया गया। खेल गतिविधियों की समीक्षा के दौरान संचालित और प्रस्तावित प्रतियोगिताओं की जानकारी ली गई। अधिकारियों को विद्यार्थियों को खेलों के लिए प्रोत्साहित करने,उनकी प्रतिभा पहचानने और उन्हें उचित अवसर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। प्रतियोगिताओं के आयोजन को भी समयबद्ध और व्यवस्थित तरीके से कराने पर जोर दिया गया। डीईओ ने स्काउटिंग और गाइडिंग को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए इसकी पहुंच अधिक से अधिक स्कूलों तक बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन,आत्मनिर्भरता, नेतृत्व, सहयोग और सेवा भावना जैसे जीवन मूल्यों का विकास किया जा सकता है। बैठक में सहायक संचालक रविशंकर तिवारी,पूनम पाण्डेय,संस्था के प्राचार्य एडवर्ड टोप्पो, शाखा प्रभारी रवि प्रकाश कुजूर,सीनियर व्यायाम शिक्षक आनंदधर दीवान,जिला सचिव महेंद्र सिंह,जिला प्रशिक्षक मनीष गुप्ता,एनसीसी प्रभारी नवनीकांत त्रिपाठी सहित जिले के स्काउटर-गाइडर,पीटीआई, रेडक्रॉस और एनएसएस प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला संगठन आयुक्त स्काउट योगेश विश्वकर्मा ने किया।

5-डे बैंकिंग सहित अन्य मांगों को लेकर बैंक कर्मियों की हड़ताल से सेवाएं प्रभावित

26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर शुक्रवार को बैंक अधिकारी-कर्मचारियों ने हड़ताल कर कलेक्ट्रेट स्थित एसबीआई शाखा के सामने प्रदर्शन किया। हड़ताल में सार्वजनिक, निजी, छत्तीसगढ़ ग्रामीण और सहकारी बैंकों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के कारण जिले में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने, परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) में कथित भेदभाव खत्म करने, रिक्त पदों पर भर्ती और पुरानी पेंशन योजना बहाल करने सहित विभिन्न मांगें उठाईं। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि 8 और 9 सितंबर को वित्त मंत्रालय तथा मुख्य श्रम आयुक्त के साथ हुई सुलह वार्ता में कोई समाधान नहीं निकला। मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से तेज करने की चेतावनी दी गई है। इसके तहत 28 से 30 सितंबर को तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल प्रस्तावित है। इसके बाद 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी गई है।

5-डे बैंकिंग लागू करने की मांग

कर्मचारियों का कहना है कि मार्च 2024 में हुए द्विपक्षीय समझौते में सभी शनिवार को अवकाश देने पर सहमति बनी थी। इसके लिए सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त काम करने का प्रस्ताव है। यूनियनों का कहना है कि प्रस्ताव लंबे समय से केंद्र सरकार के स्तर पर लंबित है। कर्मचारियों ने इसे तत्काल लागू करने की मांग की।

पीएलआई को लेकर नाराजगी

प्रदर्शनकारियों ने पीएलआई वितरण में भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि सामान्य बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों को सीमित अवधि का इंसेंटिव दिया जा रहा है, जबकि उच्च अधिकारियों के लिए अलग व्यवस्था की जा रही है। यूनियन ने सभी कर्मचारियों के लिए समान और पारदर्शी पीएलआई नीति लागू करने की मांग की।

रिक्त पद भरने समेत कई मांगें

बैंक कर्मचारियों ने एनपीएस समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, क्लर्क और सब-स्टाफ के रिक्त पदों पर भर्ती करने, पेंशन अपडेशन और समान महंगाई भत्ता देने तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मेडिकल इंश्योरेंस का प्रीमियम बैंकों द्वारा वहन करने की मांग भी उठाई। प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के ऑफिसर्स एसोसिएशन और एम्प्लॉइज यूनियन सहित विभिन्न बैंक संगठनों के पदाधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए।

सड़क,नाली और जलभराव की समस्या को लेकर निगम आयुक्त को ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, सफाई और जल निकासी की बदहाल व्यवस्था को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने बारिश के दौरान जलभराव और गंदगी से नागरिकों को हो रही परेशानी का निराकरण करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि कई वार्डों में नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से पानी सड़कों पर बह रहा है। तालाबों और जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की समुचित निकासी नहीं होने के कारण घरों में पानी घुसने की स्थिति बन रही है। इससे संक्रमण का खतरा भी बढ़ रहा है। कांग्रेस ने जाम नालियों की नियमित सफाई, खराब सड़कों की मरम्मत और नियमित कचरा उठाव की व्यवस्था करने की मांग की। साथ ही जलभराव वाले क्षेत्रों में तत्काल मशीनरी और कर्मचारियों की

व्यवस्था करने, आवश्यक स्थानों पर नई नाली व पाइपलाइन का निर्माण तथा स्थायी जल निकासी व्यवस्था विकसित करने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला महामंत्री प्रशांत सिंह चीकू, पार्षद मेराज रंगरेज, चंद्रप्रकाश सिंह मग्गू, जीवन यादव, शबनम खानम, तीरथ पटेल, धनमीत छाबड़ा, दिनेश शर्मा, अमित वर्मा, शकीला सिद्दीकी और रूबी जैन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सामुदायिक भवन किराए पर देने का विरोध : जिला कांग्रेस महामंत्री प्रशांत सिंह चीकू और रघुनाथ मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिंह मग्गू ने रामानुज वार्ड में नगर निगम द्वारा बनाए गए सामुदायिक भवन को किराए पर दिए जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि भवन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विवाह और अन्य आयोजनों के लिए कम दर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाया गया है। इससे आसपास के पांच वार्डों के लोगों को लाभ मिलता है। नेताओं ने कहा कि भवन को स्थायी रूप से किराए पर देने से जरूरतमंद परिवार इस सुविधा से वंचित हो जाएंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों की ओर से भवन का विश्वविद्यालय को आवंटन निरस्त करने की मांग की है।

कलेक्ट्रेट उद्यान में रोपा गया दुर्लभ 'दहिमन' का पौधा

सरगुजा प्रेस क्लब की पहल,पौधा प्रेमी प्रशांत सिंह चीकू ने शहडोल से लाकर उपलब्ध कराया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

दुर्लभ और उपयोगी माने जाने वाले दहिमन वृक्ष के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में सरगुजा प्रेस क्लब ने पहल की है। प्रेस क्लब के तत्वावधान में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित उद्यान में दुर्लभ दहिमन के पौधे का रोपण किया गया। पौधा मध्यप्रदेश के शहडोल से लाकर शहर के बाबूपारा निवासी प्रकृति एवं पौधा प्रेमी प्रशांत सिंह चीकू ने उपलब्ध कराया। पौधारोपण के अवसर पर सांसद चिंतामणि महाराज, लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज और कलेक्टर अजीत वसंत सहित पत्रकार एवं प्रकृति प्रेमी मौजूद रहे। कलेक्ट्रेट परिसर के उद्यान को दुर्लभ पौधे के संरक्षण के लिए उपयुक्त स्थान मानते हुए कलेक्टर से चर्चा के बाद यहां पौधा रोपा गया। रोपण के तत्काल बाद पौधे की सुरक्षा के लिए घेरा भी तैयार किया गया।

पत्तियों पर उभरते हैं लिखावट जैसे निशान : प्रशांत सिंह चीकू ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और पत्रकारों को दहिमन वृक्ष की विशेषताओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दहिमन को वैज्ञानिक रूप से Cordia macleodii नाम से जाना जाता है। इसे दहिपालश और सीतापत्र जैसे नामों से भी जाना जाता है। इस वृक्ष की खास विशेषता इसकी पत्तियां हैं। पत्ती की सतह पर किसी नुकीली वस्तु से खरोंचने के बाद कुछ समय पश्चात निशान गहरे दिखाई देने लगते हैं। इसी विशेषता के कारण इसे कई जगह 'राइटिंग लीफ ट्री' के नाम से भी जाना जाता है। यह मध्य भारत के कुछ वन क्षेत्रों

में पाया जाता है और इसकी दुर्लभता को देखते हुए संरक्षण की आवश्यकता बताई जाती है।

औषधीय उपयोग की मान्यता,शोध की जरूरत : पौधा प्रेमी प्रशांत सिंह चीकू ने बताया कि स्थानीय और आदिवासी परंपराओं में दहिमन वृक्ष के विभिन्न हिस्सों के औषधीय उपयोग का उल्लेख मिलता है। हालांकि इन औषधीय दावों की वैज्ञानिक पुष्टि और प्रभावशीलता के लिए अधिक शोध की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दुर्लभ प्रजाति होने के कारण इसके पौधों को संरक्षित कर अधिक से अधिक स्थानों पर विकसित करने की जरूरत है। कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट उद्यान एवं बायोटेक पार्क के प्रभारी डॉ. प्रशांत शर्मा को पौधे की नियमित देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी है। कलेक्ट्रेट परिसर में लगाया गया यह पौधा आने वाले समय में दुर्लभ वृक्षों के संरक्षण और लोगों में प्रकृति के प्रति जागरूकता का केंद्र भी बन सकता है। प्रेस क्लब की यह पहल केवल एक पौधा लगाने तक सीमित नहीं, बल्कि दुर्लभ स्थानीय वनस्पतियों के संरक्षण के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी देती है।

CMYK

कोरिया कलेक्टर के नए आदेश से शिक्षकों को लेकर अब नई परिभाषा की शुरुआत

ये क्या हुआ, कैसे हुआ, कब हुआ, क्यों हुआ...?

अब,गुरुजी ही सभालेंगे छत्तीसगढ़ में हर विभाग !

ये क्या हुआ, कैसे हुआ,
कब हुआ, क्यों हुआ
जब हुआ, तब हुआ
छोड़ो, ये ना सोचो
हम क्यों शिकवा करे
झूठा क्या हुआ जो दिल टूटा
शीशे का खिलौना था
कुछ ना कुछ तो होना था, हुआ...

क्या यही है प्रशासनिक गंभीरता या केवल दिखावा ?

प्रधान पाठक को महिला बाल विकास विभाग सोनहत का संघूर्ण प्रभार

वित्तीय प्रभार की भी मिली जिम्मेदारी

पहले से प्रतिनियुक्ति पर जिला अधिकारी बने बैठे अब एक और बड़ा प्रभार

जिले में दाहरे मानदंड का आरोप, क्यों नहीं जाते अब स्कूल ?

एक आदेश... कई सवाल... शिक्षा व्यवस्था का भविष्य ?

'शीशे का खिलौना था...' कोरिया के इस आदेश पर क्यों याद आया यह गीत?

'शीशे का खिलौना था...कुछ न कुछ तो होना था'-कोरिया के इस आदेश पर क्यों सटीक बैठ रहा है यह गीत?

शिक्षक को सोनहत WCD परियोजना का प्रभार,वित्तीय अधिकार दिए जाने पर उठे सवाल...

-रवि सिंह-

कोरिया,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। 'ये क्या हुआ, कैसे हुआ, कब हुआ, क्यों हुआ... जब हुआ, तब हुआ,छोड़ो,ये न सोचो... हमने जो देखा था, सुना था,क्या बताएं वो क्या था...सपना सलोना था, खत्म तो होना था, हुआ...इस फिल्मी गीत की ये पंक्तियां इन दिनों कोरिया जिले में जारी एक प्रशासनिक आदेश पर बिल्कुल सटीक बैठती नजर आ रही हैं,वजह यह कि एक ऐसा आदेश सामने आया है,जिसने विभागीय व्यवस्था,प्रतिनियुक्ति,प्रशासनिक दायित्व और वित्तीय अधिकारों को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं,सवाल यह नहीं कि किसी अधिकारी या कर्मचारी को अतिरिक्त जिम्मेदारी क्यों दी गई, बल्कि सवाल यह है कि यह जिम्मेदारी किस नियम, किस प्रक्रिया और किस अधिकार के तहत दी गई? मामला एक शासकीय माध्यमिक विद्यालय के प्रधान पाठक का है,जो पहले से ही जिला साक्षरता अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत बताए जा रहे हैं, अब उन्हें महिला एवं बाल विकास विभाग की सोनहत परियोजना का प्रभार दिए जाने की बात सामने आई है। इससे भी बड़ा सवाल तब खड़ा होता है,जब इस प्रभार के साथ वित्तीय जिम्मेदारियों अथवा आहरण-वितरण से जुड़े अधिकार दिए जाने की स्थिति सामने आती है, यही वह बिंदु है,जहां यह आदेश महज एक सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था न रहकर विभागीय अधिकारों और वित्तीय प्रक्रिया का विषय बन जाता है।

एक शिक्षक, तीन जिम्मेदारियां और सवालों का दायरा

सामान्य तौर पर किसी कर्मचारी को उसकी मूल जिम्मेदारी से अलग किसी अन्य विभाग में प्रतिनियुक्ति या अतिरिक्त प्रभार दिया जा सकता है, लेकिन ऐसी व्यवस्था में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि संबंधित कर्मचारी का मूल पद क्या है, वर्तमान में वह किस पद पर कार्यरत है,किस आदेश के तहत प्रतिनियुक्त है और नए प्रभार के लिए किस नियम के तहत अधिकृत किया गया है,मौजूदा मामले में चर्चा इसलिए तेज है क्योंकि संबंधित व्यक्ति मूल रूप से शिक्षा विभाग से जुड़े हैं,वे प्रधान पाठक के पद पर पदस्थ रहे हैं और जिला साक्षरता अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्य करने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना का प्रभार दिए जाने पर स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि–क्या यह केवल प्रशासनिक प्रभार है या इसके साथ वित्तीय एवं आहरण-वितरण संबंधी अधिकार भी प्रदान किए गए हैं? यदि वित्तीय अधिकार भी दिए गए हैं, तो फिर अगला सवाल है कि ऐसे अधिकार देने के लिए लागू वित्तीय नियमों में क्या प्रावधान है?

जनपद सीईओ की भूमिका भी चर्चा में...

इस आदेश को लेकर प्रशासनिक गलियारों में यह सवाल भी उठ रहा है कि जिस परियोजना का संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग की निर्धारित प्रशासनिक संरचना के तहत होना है, वहां अन्य विभाग से प्रतिनियुक्त कर्मचारी को किस स्तर का अधिकार दिया गया है? यदि परियोजना अधिकारी का नियमित पद उपलब्ध है, तो उसके रहते किसी अन्य विभाग के कर्मचारी को प्रभार देने का कारण क्या था? यदि पद रिक्त था,तो क्या विभागीय स्तर पर योग्य अधिकारियों/कर्मचारियों की उपलब्धता का परीक्षण किया गया? और यदि प्रशासनिक आवश्यकता के कारण वैकल्पिक व्यवस्था करनी ही थी,तो उसके लिए सक्षम स्तर से अनुमति ली गई थी या नहीं? इन सवालों का जवाब आदेश और संबंधित विभागीय रिकॉर्ड से ही मिल सकता है।

वित्तीय अधिकार सबसे अहम सवाल

पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू वित्तीय अधिकार हैं,किसी परियोजना का प्रभार संभालना और सरकारी राशि के आहरण-वितरण का अधिकार प्राप्त करना दो अलग-अलग प्रशासनिक स्थितियां हो सकती हैं,इसलिए यह स्पष्ट होना जरूरी है कि संबंधित आदेश में कौन-कौन से अधिकार दिए गए हैं,क्या संबंधित व्यक्ति–परियोजना के प्रशासनिक कार्य देखेंगे? कर्मचारियों की निगरानी करेंगे? योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे? भुगतान संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेंगे? सरकारी राशि आहरित कर सकेंगे? डीडीओ के रूप में कार्य करेंगे? या केवल अस्थायी रूप से कार्यालयीन कार्यों का संचालन करेंगे? इनमें से प्रत्येक अधिकार की प्रकृति अलग है और उसके लिए लागू नियमों की स्थिति भी अलग हो सकती है।

'शीशे का खिलौना था...' सवाल व्यवस्था पर है...गीत की दूसरी पंक्ति...

'हम क्यों शिकवा करें, झूठा क्या हुआ,जो दिल टूटा... शीशे का खिलौना था,कुछ न कुछ तो होना था,हुआ...' इस पूरे प्रकरण की प्रशासनिक तस्वीर को एक व्यंग्यात्मक आईना दिखाती है,क्योंकि यदि विभागीय व्यवस्था में पद,दायित्व और अधिकारों की सीमाएं स्पष्ट हैं तो फिर उन्हें लेकर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए, लेकिन यदि एक विभाग के कर्मचारी को दूसरे विभाग की परियोजना का प्रभार देने के साथ वित्तीय अधिकार भी दिए जा रहे हैं,तो नियमों की पारदर्शिता और आदेश की वैधानिकता स्पष्ट करना प्रशासन की जिम्मेदारी बन जाती है,यह सवाल किसी व्यक्ति विशेष की योग्यता पर नहीं, बल्कि व्यवस्था की प्रक्रिया पर है।

हमने जो देखा था,सुना था...क्या बताएं वो क्या था..

इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सार्वजनिक चर्चा और वास्तविक प्रशासनिक आदेश के बीच अंतर साफ किया जाना चाहिए,यदि आदेश में केवल परियोजना का प्रशासनिक प्रभार दिया गया है,तो उसे वित्तीय अधिकारों के बराबर नहीं माना जा सकता,वहीं यदि आदेश में स्पष्ट रूप से वित्तीय शक्तियां,आहरण-वितरण अधिकारी की जिम्मेदारी अथवा सरकारी धन के संचालन से संबंधित अधिकार दिए गए हैं,तो मामला निश्चित रूप से अधिक गंभीर हो जाता है, इसलिए पूरे मामले में सबसे पहले मूल आदेश की शब्दावली सामने आना जरूरी है,यही दस्तावेज बताएगा कि संबंधित व्यक्ति को वास्तव में क्या अधिकार दिए गए हैं।

सपना सलोना था... खत्म तो होना था...

गीत की यह पंक्ति यहां एक अलग अर्थ पैदा करती है, यदि प्रशासनिक व्यवस्था नियमों और पारदर्शिता पर आधारित है तो किसी भी आदेश पर सवाल उठने का अवसर नहीं होना चाहिए,लेकिन जब एक आदेश से कई विभागों की जिम्मेदारियां एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द दिखाई देने लगें,तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठेंगे,क्या यह केवल अस्थायी प्रशासनिक व्यवस्था है? क्या कोई विशेष परिस्थिति थी? क्या संबंधित विभाग ने अपनी सहमति दी? क्या सक्षम प्राधिकारी की अनुमति ली गई? क्या वित्त विभाग के लागू निर्देशों के अनुरूप वित्तीय शक्तियां निर्धारित की गईं? और सबसे महत्वपूर्ण–क्या आदेश में दी गई वित्तीय शक्तियां संबंधित पदधारी की वैधानिक स्थिति के अनुरूप हैं?

पहले भी उठते रहे हैं प्रतिनियुक्ति और अटैचमेंट पर सवाल

जिले में लंबे समय से कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति,संलग्नीकरण और मूल विभाग से अलग जिम्मेदारियां दिए जाने को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं,ऐसे मामलों में सबसे बड़ी समस्या तब पैदा होती है,जब अस्थायी व्यवस्था धीरे-धीरे स्थायी जैसी स्थिति ग्रहण कर लेती है और वर्षों तक कर्मचारी अपने मूल पद और मूल विभाग से अलग कार्य करते रहते हैं,यदि किसी कर्मचारी को दूसरे विभाग में लंबे समय तक रखा जाता है,तो प्रशासन को समय-समय पर यह समीक्षा करनी चाहिए कि क्या अब भी उस प्रतिनियुक्ति की आवश्यकता है? क्या मूल विभाग में उसकी सेवाओं की जरूरत नहीं है? क्या जिस विभाग में उसे रखा गया है, वहां नियमित पदस्थापना की प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए?

अब जवाब आदेश से चाहिए,चर्चाओं से नहीं

इस पूरे मामले में सबसे जरूरी है कि इसे व्यक्ति विशेष के पक्ष या विपक्ष का मुद्दा न बनाकर नियम और प्रक्रिया का विषय माना जाए, प्रशासन यदि स्पष्ट कर दे कि संबंधित कर्मचारी को किस पद पर,किस आदेश से और कितनी अवधि के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है तथा सोनहत महिला एवं बाल विकास परियोजना का प्रभार देते समय कौन-कौन से अधिकार सौंपे गए हैं,तो अधिकांश सवालों का जवाब अपने आप मिल जाएगा,विशेष रूप से यदि वित्तीय अधिकार दिए गए हैं तो संबंधित वित्तीय प्रत्यायोजन आदेश, DDO संबंधी प्रावधान और सक्षम स्वीकृति भी स्पष्ट होनी चाहिए,क्योंकि अंततः सरकारी व्यवस्था में सवाल यह नहीं होना चाहिए कि 'ये क्या हुआ, कैसे हुआ, क्यों हुआ...?' बल्कि जवाब साफ होना चाहिए—'नियम के तहत हुआ,आदेश के तहत हुआ और पूरी प्रक्रिया के साथ हुआ।' और यदि ऐसा है, तो फिर 'शीशे का खिलौना था, कुछ न कुछ तो होना था...' जैसी पंक्तियों में छिपा व्यंग्य भी अपने आप खत्म हो जाएगा।

- आज स्कूल, कल साक्षरता...अब महिला एवं बाल विकास विभाग भी!
- शिक्षक से जिला अधिकारी तक...अब महिला एवं बाल विकास विभाग की कमान भी!
- 'ये क्या हुआ, कैसे हुआ...' शिक्षक को मिला दूसरे विभाग का प्रभार,आदेश पर उठे सवाल
- आज स्कूल,कल साक्षरता...अब महिला एवं बाल विकास विभाग भी!
- एक शिक्षक,कई जिम्मेदारियां,कोरिया के आदेश ने खड़े किए बड़े सवाल
- शिक्षक को सोनहत WCD परियोजना का प्रभार, वित्तीय अधिकारों पर भी सवाल
- प्रतिनियुक्ति के बाद एक और प्रभार, आखिर किस नियम के तहत?
- गुरुजी संभालेंगे अब हर विभाग? कोरिया के आदेश ने छेड़ी नई बहस
- स्कूल से साक्षरता और अब महिला-बाल विकास तक...जिम्मेदारियों का विस्तार क्यों?
- एक आदेश,कई सवालः शिक्षक को महिला एवं बाल विकास परियोजना का प्रभार
- शिक्षा विभाग के शिक्षक को महिला एवं बाल विकास विभाग के सोनहत परियोजना का प्रभार देने के आदेश ने खड़े किए सवाल, वित्तीय अधिकारों को लेकर भी उठ रही आपत्तियां

राजनीतिक संरक्षण के आरोपों की भी हो निष्पक्ष जांच

इस पूरे मामले को लेकर कुछ स्तरों पर राजनीतिक प्रभाव अथवा विशेष कृपा के आरोप भी लगाए जा रहे हैं,हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और इन्हें फिलहाल आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए,यदि प्रशासन के पास आदेश जारी करने के पीछे स्पष्ट प्रशासनिक कारण और नियमसम्मत आधार है,तो उसे सार्वजनिक करने में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए,यही पारदर्शिता ऐसे आरोपों का सबसे बेहतर जवाब भी हो सकती है।

जोखिमपूर्ण भवनों की जांच में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर रोक्तिमा यादव

हॉस्टल,पीजी,कोचिंग सेंटर,स्कूल व बड़े शैक्षणिक भवनों का तत्काल सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश,अवैध-मिलावटी शराब के खिलाफ संयुक्त अभियान और सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ेगी निगरानी

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद कोरिया जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है,कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने जिले के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी अप्रिय घटना का इंतजार करने के बजाय संभावित जोखिमों की पहले से पहचान कर समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए,कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है,इसलिए सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। हॉस्टल से लेकर बड़े शैक्षणिक भवनों तक तत्काल निरीक्षण-कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जिले के हॉस्टल,पीजी,कोचिंग सेंटर,स्कूल, छात्रावास,आंगनबाड़ी केंद्र,स्वास्थ्य केंद्रों तथा बड़े शैक्षणिक भवनों का तत्काल निरीक्षण कराने और आवश्यकतानुसार सेफ्टी ऑडिट सुनिश्चित

करने के निर्देश दिए हैं, निरीक्षण के दौरान केवल भवन की सामान्य स्थिति देखने के बजाय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जांच करने को कहा गया है, इनमें भवन की संरचनात्मक स्थिति, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, आपातकालीन निकासी मार्ग तथा विद्यार्थियों और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े अन्य आवश्यक मानक शामिल हैं, कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निरीक्षण के दौरान यदि कोई भवन जर्जर, असुरक्षित अथवा जोखिमपूर्ण स्थिति में पाया जाता है तो उसकी वास्तविक स्थिति का तत्काल आकलन किया जाए और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए।

सिर्फ कमी चिन्हित नहीं,निराकरण भी सुनिश्चित करें- कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी स्पष्ट किया कि निरीक्षण की प्रक्रिया केवल कमियां गिनाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए,जहां भी सुरक्षा संबंधी खामियां सामने आएं, वहां सुधारात्मक कार्रवाई की समय-सीमा तय कर उसके पालन की नियमित समीक्षा की जाए, उन्होंने कहा कि बच्चों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े संस्थानों में छोटी सी लापरवाही भी गंभीर परिणाम दे सकती है। इसलिए संभावित खतरे की पहचान होते ही उसे दूर करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

घटना के बाद कार्रवाई नहीं, पहले जोखिम की पहचान जरूरी- कलेक्टर श्रीमती यादव ने अधिकारियों से कहा कि प्रशासन की कार्यप्रणाली ऐसी होनी चाहिए जिसमें दुर्घटना होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय दुर्घटना की संभावना को पहले ही समाप्त किया जा सके, इसके लिए संबंधित विभागों को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण और निगरानी की व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं, विशेष रूप से विद्यार्थियों से जुड़े संस्थानों, छात्रावासों और सार्वजनिक भवनों की सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखने को कहा गया है।

अवैध और मिलावटी शराब के खिलाफ संयुक्त अभियान

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने जिले में अवैध एवं मिलावटी शराब के निर्माण,बिक्री, भंडारण और परिवहन के खिलाफ भी प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए,उन्होंने आबकारी विभाग,पुलिस और जिला प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ संयुक्त अभियान चलाने को कहा, संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित जांच और निगरानी बढ़ाने के साथ ही अवैध शराब की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई करने को कहा गया है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी

दूसरे राज्यों से जिले में अवैध शराब की संभावित आवक को रोकने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों और प्रमुख परिवहन मार्गों पर विशेष निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं,पुलिस और आबकारी विभाग को समन्वय के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा आवश्यकता के अनुसार संयुक्त जांच और कार्रवाई करने को कहा गया है। इससे अवैध शराब के परिवहन और आपूर्ति की संभावनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने का प्रयास किया जाएगा।

लापरवाही मिलने पर तय होगी जिम्मेदारी...

कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि शासन के निर्देशों के पालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदेही तय की जाएगी, उन्होंने कहा कि सुरक्षा से जुड़े मामलों में प्रशासन की प्राथमिकता तत्परता, सतत निगरानी और समय पर कार्रवाई होनी चाहिए। संबंधित अधिकारियों को निर्देशों का तत्काल पालन सुनिश्चित करने तथा की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

अब असली परीक्षा अमल की...

प्रशासन के निर्देशों के बाद जिले में जोखिमपूर्ण भवनों की स्थिति, विशेषकर बच्चों और विद्यार्थियों से जुड़े संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर होने वाली कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी, निरीक्षण कितने भवनों में हुआ,कितने भवनों में खामियां मिलीं और चिन्हित खामियों को कितनी समय-सीमा में दूर किया गया–यह आने वाले दिनों में प्रशासनिक कार्रवाई की वास्तविक तस्वीर सामने लाएगा।

CMYK

छात्र की मौत के बाद कलेक्टर-एसपी पहुंचे मझारटोला आश्रम

अधीक्षक निलंबित, घटना स्थल का लिया जायजा, बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं - कलेक्टर रोक्तिमा यादव

- आश्रम की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, बच्चों से की बातचीत
- एसडीएम सोनहत को सौंपी गई विस्तृत जांच
- जिले के सभी आश्रमों की सुरक्षा व्यवस्था की होगी समीक्षा

मासूम की मौत के बाद जागा प्रशासन..मझारटोला आश्रम अधीक्षक निलंबित

प्रिंस की मौत ने खोली आश्रम की निगरानी व्यवस्था की पोल, अधीक्षक पर गिरी गाज

- कक्षा 4 के छात्र की मौत के बाद कलेक्टर-एसपी पहुंचे आश्रम, शुरू हुई जांच
- मझारटोला आश्रम में मासूम की मौत, अधीक्षक निलंबित, एसडीएम करेंगे जांच
- डबरी में मिली मासूम की लाश, आश्रम अधीक्षक निलंबित–कलेक्टर ने लिया जायजा
- बच्चे की मौत से हड़कंप, कलेक्टर-एसपी ने खंगाली आश्रम की सुरक्षा व्यवस्था
- मासूम प्रिंस की मौत पर प्रशासन का एक्शन, अधीक्षक निलंबित और जांच के आदेश
- प्रिंस की मौत के बाद प्रशासन सख्त, जिलेभर के आश्रमों की सुरक्षा पर नजर

-राजन पाण्डेय-

सोनहत/कोरिया,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

आदिवासी बालक आश्रम मझारटोला में कक्षा 4 में अध्ययनरत छात्र प्रिंस, पिता बिजेन्द्र सिंह की मौत के मामले ने जिला प्रशासन को झकझोर दिया है,आश्रम से छात्र के बिना सूचना अनुपस्थित होने और उसकी जानकारी समय पर उच्चाधिकारियों तक नहीं पहुंचाए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रोक्तिमा यादव ने आश्रम अधीक्षक अशोक एक्का को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है,साथ ही पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सोनहत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। घटना की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शुक्रवार को कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव और पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर स्वयं मझारटोला आश्रम पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने आश्रम की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया,वहां रह रहे बच्चों से बातचीत की और उनकी सुरक्षा, उपस्थिति,स्वास्थ्य तथा निगरानी व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली,इसके बाद अधिकारियों ने उस घटनास्थल का भी निरीक्षण किया, जहां डबरी से छात्र का शव बरामद हुआ था।

8 सितंबर की घटना ने खड़े किए गंभीर सवाल

प्रशासन के अनुसार 8 सितंबर 2026 को आदिवासी बालक आश्रम मझारटोला में अध्ययनरत कक्षा 4 का छात्र प्रिंस सुबह करीब 7 बजे से आश्रम में अनुपस्थित था, बाद में एक डबरी से बच्चे का शव बरामद हुआ, एक आवासीय आश्रम में रहने वाले छोटे बच्चे की अनुपस्थिति और उसके बाद उसकी मौत ने आश्रम की सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं,सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि बच्चे के आश्रम से अनुपस्थित होने की जानकारी कब हुई और उसके बाद उसकी तलाश के लिए तत्काल क्या कदम उठाए गए? क्या आश्रम में बच्चों की उपस्थिति की नियमित निगरानी हो रही थी? क्या प्रत्येक बच्चे के आने-जाने पर नजर रखने की व्यवस्था थी? क्या किसी बच्चे के बिना सूचना अनुपस्थित होने पर तत्काल उच्चाधिकारियों,पुलिस और अभिभावकों को सूचना देने की व्यवस्था का पालन किया गया? इन तमाम बिंदुओं की जांच अब एसडीएम सोनहत द्वारा की जाएगी।

अधीक्षक का निलंबन—प्रारंभिक कार्रवाई- मामले में प्रशासन ने आश्रम अधीक्षक अशोक एक्का के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है, यह कार्रवाई छात्र के बिना सूचना अनुपस्थित रहने और इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को नहीं दिए जाने के मामले में की गई है,हालांकि निलंबन को पूरे प्रकरण की अंतिम जिम्मेदारी नहीं माना जा सकता, जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि घटना से पहले और बाद में आश्रम स्तर पर कौन-कौन से कदम उठाए गए थे और किस स्तर पर चूक हुई,इसीलिए एसडीएम सोनहत को विस्तृत जांच सौंपी गई है।

एसडीएम की जांच में सामने आएगा असली घटनाक्रम-जांच के दौरान छात्र के आश्रम से अनुपस्थित होने की परिस्थितियों से लेकर उसकी तलाश और घटना की जानकारी प्रशासन तक पहुंचने तक के पूरे घटनाक्रम का परीक्षण किया जाएगा, जांच में यह भी देखा जाएगा कि छात्र की उपस्थिति आश्रम में किस समय दर्ज हुई थी? सुबह 7 बजे के आसपास उसकी अनुपस्थिति कैसे सामने आई? आश्रम प्रबंधन को छात्र के गायब होने की जानकारी कब हुई? जानकारी मिलने के बाद उसकी तलाश के लिए क्या कार्रवाई की गई? क्या उच्चाधिकारियों को तत्काल सूचना दी गई? क्या पुलिस अथवा अभिभावकों को समय पर सूचित किया गया? आश्रम में बच्चों की निगरानी के लिए निर्धारित व्यवस्था क्या थी? ड्यूटी पर तैनात अधिकारी-कर्मचारियों की जिम्मेदारी क्या थी? घटना के समय आश्रम प्रबंधन की भूमिका क्या रही? जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे मामले में जिम्मेदारी की स्थिति और स्पष्ट होगी।

कलेक्टर-एसपी ने खुद पहुंचकर देखी व्यवस्था

घटना के बाद शुक्रवार को कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक का आश्रम पहुंचना प्रशासन की गंभीरता को दर्शाता है, अधिकारियों ने केवल कागजी जानकारी लेने के बजाय मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति का जायजा लिया, आश्रम में बच्चों से बातचीत के दौरान उनकी दिनचर्या, सुरक्षा व्यवस्था, नियमित उपस्थिति, स्वास्थ्य परीक्षण सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली गई। अधिकारियों ने यह समझने का प्रयास किया कि आश्रम में बच्चों की निगरानी किस तरह की जाती है और किसी बच्चे के अनुपस्थित होने पर तत्काल सूचना देने की प्रक्रिया क्या है, इसके बाद कलेक्टर और एसपी घटनास्थल पहुंचे और वहां की परिस्थितियों का भी निरीक्षण किया।

बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आश्रम और छात्रावासों में रहने वाले बच्चों की सुरक्षा तथा निगरानी व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि बच्चों की जिम्मेदारी संभालने वाले संस्थानों में प्रशासनिक लापरवाही के लिए कोई स्थान नहीं है, प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा, उपस्थिति और स्वास्थ्य की सतत निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए, कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सिर्फ एक आश्रम नहीं,पूरे जिले की व्यवस्था पर सवाल

मझारटोला की घटना ने केवल एक आश्रम की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े नहीं किए हैं, बल्कि जिले के सभी आश्रमों और छात्रावासों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जरूरत भी सामने ला दी है, आदिवासी अंचलों में संचालित आवासीय संस्थानों में बड़ी संख्या में बच्चे रहकर शिक्षा प्राप्त करते हैं,ऐसे में उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल पढ़ाई और भोजन तक सीमित नहीं होती,बच्चे कब परिसर में हैं, कब बाहर जा रहे हैं,कौन अनुपस्थित है और उसकी सूचना किसे दी जानी है–इन सभी पहलुओं की प्रभावी निगरानी आवश्यक है, एक छोटे बच्चे के बिना सूचना अनुपस्थित होने की स्थिति में समय पर कार्रवाई कितनी महत्वपूर्ण है, यह घटना इसी ओर गंभीर संकेत करती है।

कलेक्टर ने सभी आश्रमों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के दिए निर्देश-मझारटोला की घटना के बाद कलेक्टर ने जिले के सभी आश्रमों और छात्रावासों में रहने वाले बच्चों की नियमित उपस्थिति, सुरक्षा,स्वास्थ्य और सतत निगरानी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं,संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि बच्चों की उपस्थिति का नियमित सत्यापन हो और किसी बच्चे के बिना सूचना अनुपस्थित पाए जाने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए, प्रशासनिक स्तर पर यह भी महत्वपूर्ण होगा कि केवल निरीक्षण और निर्देशों तक कार्रवाई सीमित न रहे, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था में पाई जाने वाली कमियों का वास्तविक निराकरण भी किया जाए।

पुलिस जांच भी अहम

छात्र की मौत के मामले में पुलिस द्वारा भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है,पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच कर रही है, डबरी से शव बरामद होने के बाद घटना के कारणों और परिस्थितियों को लेकर पुलिस जांच का महत्व और बढ़ जाता है,मौत किन परिस्थितियों में हुई और घटनाक्रम की वास्तविक कड़ी क्या थी,इसका अंतिम निष्कर्ष पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा,इसलिए फिलहाल किसी संभावित कारण या किसी व्यक्ति की भूमिका को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा।

शोकाकुल परिवार के साथ प्रशासन

कलेक्टर रोक्तिमा यादव और एसपी श्री हरीश राठौर ने घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है, अधिकारियों ने कहा कि एक बच्चे की इस तरह मौत अत्यंत दुखद है और जिला प्रशासन शोकाकुल परिवार के साथ है,प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच की जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अब सवाल सिर्फ निलंबन का नहीं,जवाबदेही का है...

मझारटोला आश्रम में हुई घटना के बाद अधीक्षक का निलंबन प्रशासन की पहली बड़ी कार्रवाई है,लेकिन पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए अब सबसे ज्यादा नजर एसडीएम सोनहत की जांच रिपोर्ट पर रहेगी,क्योंकि इस घटना में कई सवालों के जवाब जरूरी हैं-बच्चा आश्रम से कब निकला, उसकी अनुपस्थिति का पता कब चला,उसकी तलाश कब शुरू हुई, उच्चाधिकारियों को सूचना कब दी गई और घटना के बीच कितना समय बीता? इन सवालों का जवाब ही यह तय करेगा कि प्रशासनिक स्तर पर वास्तविक चूक कहां हुई, एक मासूम की मौत के बाद कार्रवाई केवल निलंबन तक सीमित न रहे,बल्कि जांच से सामने आने वाली हर जिम्मेदारी तय हो और जिले के अन्य आश्रमों में ऐसी घटना दोबारा न हो, यही इस पूरे मामले की सबसे बड़ी अपेक्षा है।

नाबालिगों के हाथ में बाइक देने वालों पर सूरजपुर पुलिस का शिकंजा

चेकिंग के दौरान 4 नाबालिग मोटरसाइकिल चलाते पकड़े गए,वाहन स्वामियों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई,25 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान

-संवाददाता-

सूरजपुर,11 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात नियमों के पालन को लेकर सूरजपुर पुलिस ने सख्ती तेज कर दी है,पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल (भापुसे) के निर्देश पर जिले में लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, इसी अभियान के दौरान पुलिस ने चार नाबालिगों को मोटरसाइकिल चलाते हुए पकड़ा और उनके वाहन स्वामियों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्रवाई से उन अभिभावकों और वाहन मालिकों के लिए स्पष्ट संदेश है, जो कम उम्र के बच्चों को मोटरसाइकिल या अन्य वाहन चलाने की अनुमति दे देते हैं,पुलिस ने कहा है कि नाबालिग को वाहन देना केवल बच्चे की सुरक्षा के लिए जोखिमपूर्ण नहीं है,बल्कि वाहन स्वामी अथवा अभिभावक को भी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

चेकिंग में चार नाबालिग पकड़े गए- यातायात पुलिस और थाना पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर वाहन चेकिंग के दौरान चार

नाबालिग मोटरसाइकिल चलाते हुए पकड़े गए, पुलिस के अनुसार संबंधित वाहनों के क्रमांक सीजी 29 एई 5054,सीजी 16 सीयू 4636, सीजी 29 एडी 3382,सीजी 29 एएच 5698 बताए गए हैं, नाबालिगों के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने उनके परिजनों को मौके पर बुलाया और उन्हें कम उम्र में बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति देने से होने वाले सड़क दुर्घटना के खतरे और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी, वहीं, संबंधित वाहन स्वामियों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए इस्तगासा तैयार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

बच्चे के साथ दूसरे राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में-पुलिस का कहना है कि कम उम्र में वाहन चलाने वाले बच्चे सड़क पर उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों का सही आकलन करने में पूरी तरह सक्षम नहीं होते,तेज रफ्तार, अचानक ब्रेक,सामने से आने वाले वाहन, पैदल राहगीर अथवा अन्य आकस्मिक परिस्थितियों में अनुभव की कमी के कारण दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है, नाबालिग चालक के कारण होने वाली दुर्घटना में केवल चालक ही नहीं, बल्कि वाहन में बैठे अन्य लोग,पैदल राहगीर और दूसरे वाहन चालक भी प्रभावित हो सकते हैं,इसी वजह से यातायात नियमों में निर्धारित आयु और वैध ड्राइविंग लाइसेंस की अनिवार्यता को गंभीरता से लिया जाता है।

नाबालिग को वाहन देना पड़ेगा भारी- यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय ने बताया कि अभिभावकों को अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नाबालिगों को वाहन चलाने की अनुमति देने से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ती है, उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चे के निर्धारित आयु पूर्ण करने और वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही वाहन चलाने की अनुमति दें,पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नाबालिग द्वारा वाहन चलाते पकड़े जाने की स्थिति में संबंधित वाहन स्वामी या अभिभावक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है तथा 25 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

अभिभावक यह न समझें कि 'बच्चा तो पास ही जा रहा है-अक्सर अभिभावक बच्चों को यह सोचकर वाहन दे देते हैं कि उन्हें आसपास ही जाना है या बच्चा वाहन चलाना जानता है,लेकिन सड़क पर दुर्घटना के लिए दूरी नहीं, बल्कि एक क्षण की चूक ही पर्याप्त होती है, पुलिस का कहना है कि वाहन चलाने की क्षमता केवल मोटरसाइकिल चलाना सीख लेने से पूरी नहीं होती,सड़क पर यातायात का दबाव, नियमों की समझ,अचानक उत्पन्न होने वाली स्थिति में निर्णय लेने की क्षमता और कानूनी रूप से ड्राइविंग की पात्रता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, इसलिए अभिभावकों को बच्चों की जिद अथवा सुविधा के बजाय उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

जागरूकता के साथ कार्रवाई भी जारी-सूरजपुर पुलिस द्वारा एक ओर जहां वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है,वहीं नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा रही है, पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के निर्देश पर यातायात पुलिस और थाना पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है,इस दौरान विशेष रूप से नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने, बिना लाइसेंस वाहन चलाने और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर नजर रखी जा रही है।

पुलिस की अभिभावकों से अपील- सूरजपुर पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को मोटरसाइकिल अथवा अन्य वाहन चलाने के लिए न दें,बच्चों की सुरक्षा के साथ-साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा को भी ध्यान में रखें,पुलिस ने कहा है कि निर्धारित आयु पूर्ण होने और नियमानुसार वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनने के बाद ही बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति दी जाए,नाबालिग को वाहन देने और उसके वाहन चलाते पकड़े जाने की स्थिति में संबंधित वाहन स्वामी अथवा अभिभावक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी, सूरजपुर पुलिस का संदेश साफ है–बच्चे को बाइक देना प्यार नहीं, जोखिम है, लाइसेंस की उम्र तक इंतजार ही सबसे सुरक्षित रास्ता है।

C M Y K

भुवन बाम ने अपनी सक्सेस जर्नी पर की बात,असफलता को बताया सफलता का जरूरी हिस्सा,बोले...बगावत भरी रही मेरी जर्नी...

भुवन बाम की द रिवोल्यूशनरीज आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। इस बीच मशहूर यूट्यूबर और एक्टर ने बताया कि उनकी सफलता के सफर में असफलता एक जरूरी हिस्सा रही। भुवन बाम न सिर्फ एक मशहूर यूट्यूबर और कॉमेडियन हैं, बल्कि एक दमदार एक्टर भी हैं। भुवन बाम ने दिल्ली के अपने कमरे में वीडियो बनाने से लेकर प्राइम वीडियो के पीरियड ड्रामा द रिवोल्यूशनरीज में काम करने तक के अपने सफर को बगावत भरा बताया है। उन्होंने कहा कि एक बड़ी स्ट्रीमिंग सीरीज के लिए फिल्ममेकर निखिल आडवाणी के साथ काम करते समय नाकामियों ने उन्हें जमीन से जुड़े रहने में मदद की। दिए एक इंटरव्यू में भुवन ने अपनी सफलता की जर्नी के बारे में खुलकर बात की और बताया कि उनकी सक्सेस में सबसे बड़ा रोल असफलता का है।

भुवन बाम ने अपनी सफलता पर की बात

इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि वह रातों-रात स्टार बन गए तो उन्होंने कहा कि सफलता से पहले सालों की मेहनत और लोगों की यह सलाह शामिल थी कि उन्हें अपने चुने हुए रास्ते पर नहीं चलना चाहिए। भुवन ने कहा, यह सफर बगावत भरा रहा है...यह एक लंबा सफर रहा है और इस सफर में बहुत से लोग मिलते हैं। बहुत से लोग कहते हैं ऐसा मत करो। यह तुम्हारे लिए नहीं है। तुम खो जाओगे। तुम भीड़ में खो जाओगे। वहां कोई तुम्हारी इज्जत नहीं करेगा। उन्होंने याद किया कि कैसे उन्होंने अपने आस-पास के शक के बावजूद आगे बढ़ने का फैसला किया,मैंने कहा अगर वहां नहीं तो मैं इसे यहीं से करूंगा। इसलिए,मैंने इसे दिल्ली से किया।

भुवन बाम ने कामयाबी पाने के लिए दी सलाह

भुवन ने बताया कि वह सिर्फ एक साल पहले ही मुंबई आए हैं,जबकि उससे पहले उन्होंने अपना करियर दिल्ली में बनाया था। उन्होंने कहा,इसलिए जगह मायने नहीं रखती। आप इसे कहां से कर रहे हैं, यह जरूरी नहीं है। आप क्या कर रहे हैं, यह जरूरी है। अपने सफर को याद करते हुए,एक्टर ने कहा कि वह अपने पुराने मैं को गलतियों से डरने के बजाय उन्हें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने कहा,और अगर मुझे अपने युवा रूप से कुछ कहना हो तो मैं यही कहूंगा कि गलतियां करते रहो। तुम गलतियां इसलिए करते हो,क्योंकि उनसे सीखते हो। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे सफलता या असफलता में खो जाने के बजाय वर्तमान पर ध्यान दें।

क्या है भुवन बाम का सबसे बड़ा डर

भुवन के लिए,नाकामयाबी भी जमीन से जुड़े रहने का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा,नाकाम होना बहुत जरूरी है। नाकाम होने की वजह से ही आपके पैर जमीन पर टिके रहते हैं। इसलिए,मुझे लगता है कि नाकामयाबी हमेशा होनी चाहिए। भुवन ने अपने दर्शकों के साथ जुड़ाव बनाए रखने के बारे में भी बात की और कहा कि इस रिश्ते में उनके काम के साथ उनका जुड़ाव सबसे अहम है। उन्होंने कहा,जब तक मुझे अपने काम से प्यार है तब तक यह जुड़ाव बना रहेगा। मुझे सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि एक दिन मैं सुबह उठूं और मेरा काम करने का मन न करें। यही मेरा सबसे बड़ा डर है। इसलिए,मैं हर सुबह कुछ नया करने, कुछ नया करने की कोशिश करने और अपनी कला को नए नजरिए से देखने के लिए उठता हूं।

निखिल आडवाणी संग काम करने पर भुवन बाम का अनुभव

भुवन बाम ने इस बात पर भी जोर दिया कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कोई भी जगह पक्की नहीं होती। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि हर किसी की जगह कोई और ले सकता है। आज यह है, कल नहीं होगा। मैं यह भी जानता हूं कि अच्छा और बुरा समय हमेशा नहीं रहता। यह एक चक्र है। उन्होंने कहा, इसलिए, इसके बारे में ज्यादा न सोचें। बस पल में जिएं। आपको नतीजा मिल जाएगा। इसकी चिंता न करें। भुवन बाम ने द रिवोल्यूशनरीज पर निखिल आडवाणी के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और कहा कि वह लंबे समय से इस फिल्ममेकर के काम के प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने कहा,मैं उनके कई शो और फिल्मों का फैन रहा हूं। इतिहास को दिखाने का उनका तरीका इतना दिलचस्प है कि अगर आप इस देश के दर्शक नहीं भी हैं, या विदेश से भी हैं, तब भी आपको यह बहुत दिलचस्प लगेगा।

खिलाड़ी व्हीएस अनाड़ी की टक्कर ने बढ़ाया रोमांच अक्षय-सैफ की परफॉर्मेंस पर जमकर बरसा प्यार

'हैवान' को लेकर एक्स पर शुरुआती प्रतिक्रियाएं ज्यादातर सकारात्मक हैं। दर्शकों ने अक्षय कुमार के निगेटिव किरदार, सैफ अली खान की एक्टिंग और प्रियदर्शन के निर्देशन की तारीफ की, हालांकि कुछ ने स्क्रीनप्ले पर सवाल उठाए। अक्षय कुमार और सैफ अली खान की लंबे समय से प्रतीक्षित फिल्म 'हैवान' आखिरकार 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी यह फिल्म रिलीज से पहले ही काफी चर्चा में थी। इसकी सबसे बड़ी वजह 18 साल बाद अक्षय और सैफ का एक साथ पर्दे पर लौटना और दोनों का आमने-सामने होना है। फिल्म के ट्रेलर में दिखाए गए डार्क माहौल, रहस्य और अक्षय के निगेटिव किरदार ने भी दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी। अब फिल्म देखने वाले दर्शकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी शुरुआती प्रतिक्रियाएं साझा करनी शुरू कर दी हैं।

किसी ने बताया 'ब्लॉकबस्टर', अक्षय-सैफ की हुई तारीफ

फिल्म देखने के बाद कई दर्शकों ने 'हैवान' को एक इंटेंस और दमदार रिवेंज थ्रिलर बताया है। खासतौर पर अक्षय कुमार और सैफ अली खान की परफॉर्मेंस को लेकर अच्छी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एक दर्शक ने फिल्म को 4 स्टार देते हुए इसे जबरदस्त एंटरटेनर बताया। इस रिव्यू में प्रियदर्शन के निर्देशन की तारीफ के साथ अक्षय और सैफ के अभिनय को फिल्म की बड़ी ताकत बताया गया। दर्शक के मुताबिक अक्षय कुमार अपने किरदार में पूरी तरह उतरते नजर आते हैं, जबकि सैफ अली खान ने भी शानदार काम किया है। इस यूजर को फिल्म का पहला भाग मनोरंजन, इंटेंसिटी और बेहतरीन अभिनय से भरपूर लगा।

ओपम' का रीमेक, लेकिन क्लाइमैक्स को बताया अलग

एक अन्य दर्शक ने 'हैवान' को प्रभावशाली और दमदार थ्रिलर बताया। उन्होंने यह जरूर माना कि फिल्म मलयालम फिल्म 'ओपम' की रीमेक है,लेकिन उनके मुताबिक हिंदी वर्जन का क्लाइमैक्स अलग है और इसी वजह से कहानी में नया अनुभव मिलता है। इस दर्शक ने यह भी कहा कि फिल्म के साथ जुड़ा 'रीमेक' टैग उसके लिए नुकसानदायक हो सकता है, लेकिन अगर दर्शक इसे खुले मन से देखने जाएं तो उन्हें फिल्म पसंद आ सकती है। उनके मुताबिक प्रियदर्शन ने इस कहानी को काफी अच्छे तरीके से पर्दे पर पेश किया है।

कुछ दर्शकों को पहला हाफ लगा औसत

हालांकि सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर सिर्फ तारीफ ही नहीं हुई है। एक एक्स यूजर ने इंटरवल तक फिल्म को औसत बताया। उन्हें लगा कि अक्षय कुमार के किरदार को और ज्यादा विस्तार दिया जा सकता था। उनके मुताबिक स्क्रीनप्ले में कुछ जगह कमी महसूस होती है और कहानी को आगे बढ़ाने के लिए अनावश्यक बिल्डअप भी नजर आता है। इस दर्शक ने हालांकि फिल्म के दूसरे हाफ को लेकर उम्मीद जताई और कहा कि असली फैसला आगे की कहानी देखने के बाद ही किया जा सकता है।

खिलाड़ी बनाम अनाड़ी' की टक्कर ने खींचा ध्यान

एक अन्य दर्शक ने फिल्म को थ्रिलर,ड्रामा,इमोशन और कमर्शियल एंटरटेनमेंट का संतुलित मिश्रण बताया। उनके मुताबिक फिल्म में ट्विस्ट,टकराव और भावनात्मक पलों के कारण कहानी दर्शकों को जोड़े रखती है। उन्होंने सैफ और अक्षय के किरदारों की भिड़ंत को 'खिलाड़ी बनाम अनाड़ी' जैसे दिलचस्प डायनामिक से जोड़कर देखा। सैफ अली खान के श्याम राणे के किरदार को लेकर भी इस रिव्यू में काफी तारीफ की गई। दर्शक के मुताबिक दृष्टिहीन व्यक्ति की भूमिका में सैफ ने बॉडी लैंग्वेज और हावभाव के जरिए किरदार को विश्वसनीय बनाया है। वहीं अक्षय के निगेटिव किरदार को लेकर कहा गया कि स्क्रीन पर उनके आते ही फिल्म का माहौल बदल जाता है। उनके मुताबिक किसी सुपरस्टार का विलेन की भूमिका में आकर दर्शकों को अपने किरदार से नफरत करवाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

अक्षय के डार्क किरदार और तकनीकी पक्ष की भी तारीफ

एक अन्य सोशल मीडिया यूजर ने अक्षय कुमार को उनके अब तक के अलग अवतारों में से एक बताया। उनके मुताबिक अभिनेता ने मनोवैज्ञानिक पहलुओं वाले डार्क किरदार को प्रभावी तरीके से निभाया है। इस रिव्यू में फिल्म के ओपनिंग और क्लाइमैक्स सीक्वेंस को खास तौर पर अक्षय के लिए मजबूत बताया गया। साथ ही सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड स्कोर की भी तारीफ की गई। दर्शक के मुताबिक फिल्म का विजुअल ट्रीटमेंट और संगीत कहानी के रहस्यमय माहौल को मजबूत करते हैं।

4 स्टार देने वाले दर्शक ने बताया 'मास्टरस्ट्रोक'

एक एक्स यूजर ने 'हैवान' को 4 स्टार दिए और इसे प्रियदर्शन का 'मास्टरस्ट्रोक' बताया। उनके मुताबिक निर्देशक ने इस फिल्म के जरिए अपने काम करने के अंदाज में बदलाव दिखाया है। अक्षय कुमार के अभिनय की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि अभिनेता ने किरदार की आक्रामकता को जरूरत से ज्यादा नहीं बढ़ाया,बल्कि नियंत्रित अभिनय और भाव-भंगिमा के जरिए उसे प्रभावी बनाया। वहीं सैफ अली खान के प्रदर्शन को भी उतना ही मजबूत बताया गया। इस रिव्यू के अनुसार सैफ ने अपने किरदार में भावनात्मक गहराई और गंभीरता जोड़ी है। दोनों कलाकारों की अलग-अलग अभिनय शैली फिल्म की टक्कर को दिलचस्प बनाती है।

रीमेक को लेकर भी उठे सवाल

जहां एक तरफ कई दर्शकों ने 'हैवान' की तारीफ की है, वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने फिल्म के रीमेक होने को लेकर सवाल उठाए हैं। एक यूजर ने अक्षय कुमार की पिछली कुछ फिल्मों का उदाहरण देते हुए दावा किया कि उनकी कई अच्छी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली और उनमें से कुछ रीमेक थीं। इस रिएक्शन में 'हैवान' को भी रीमेक होने के कारण संभावित रूप से प्रभावित होने वाली फिल्म बताया गया है। हालांकि, यह एक व्यक्तिगत सोशल मीडिया राय है और फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन का वास्तविक आकलन आने वाले दिनों में ही किया जा सकेगा।

कुल मिलाकर कैसी है शुरुआती प्रतिक्रिया?

'हैवान' को लेकर सामने आए शुरुआती एक्स रिएक्शंस में मिली-जुली तस्वीर दिखाई दे रही है। जहां कई दर्शक इसे दमदार थ्रिलर बताते हुए प्रियदर्शन, अक्षय कुमार और सैफ अली खान की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कुछ लोगों को फिल्म का पहला हाफ और स्क्रीनप्ले औसत लगा है। फिलहाल अक्षय का निगेटिव किरदार और सैफ का दृष्टिहीन श्याम राणे दर्शकों के बीच सबसे ज्यादा चर्चा में हैं।

34 साल बाद जैकी श्रॉफ ने मनाया अंगार का जश्न

साल 1992 में रिलीज हुई फिल्म अंगार ने अपनी रिलीज के 34 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर फिल्म के मुख्य कलाकार अभिनेता जैकी श्रॉफ ने फिल्म से जुड़ी यादों को फिर से ताजा किया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर ड्रामा के यादगार पलों का एक वीडियो मोंटाज शेयर किया,जिसमें जैकी श्रॉफ ने फिल्म का गाना इधर देखो उधर देखो लगाया गया है। उनके किरदार जयकिशन जग्गू और फिल्म के दूसरे कलाकारों के साथ उनके सीन भी शामिल है। वीडियो के साथ जैकी ने लिखा, ÷फिल्म अंगार को रिलीज हुए 34 साल पूरे हो गए हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की कास्ट और क्रू के कई लोगों को टैग किया,जिनमें शशिलाल के. नायर,डिंपल कपाड़िया,कादर खान,अच्युत पोतदार, ओम पुरी, सुलभा देशपांडे और टॉम अल्टर शामिल हैं। शशिलाल के. नायर के निर्देशन में बनी हिंदी क्राइम-ड्रामा फिल्म अंगार को बॉलीवुड की सबसे बेहतरीन और प्रभावशाली माफिया फिल्मों में से एक माना जाता है, जिसमें मुंबई के अंडरवर्ल्ड राजनेताओं और बिल्डरों के बीच के गठजोड़ को बेहद संजीदगी से दिखाया गया है। अंगार का लेखन सुजीत सेन ने किया था, जबकि कादर खान ने डायलॉग लिखे थे। लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी ने म्यूजिक बनाया था और लिरिक्स आनंद बख्शी के थे। इसके मशहूर गानों में इधर देखो उधर देखो,मुश्किल में है कौन किसी का, गीत पुराने गांव, कितनी जल्दी यह मुलाकात गुजर जाती है और चल आगे और देख पीछे जैसे गाने शामिल थे। माना जाता है कि फिल्म की कहानी और जहांगीर खान (कादर खान) का किरदार मुंबई के शुरुआती अंडरवर्ल्ड डॉन करीम लाला के जीवन से प्रेरित थी।

खेल समाचार

भारत बनाम अफगानिस्तान पहला टी 20 मुकाबला कल

नई दिल्ली,11 सितम्बर 2026। भारत बनाम अफगानिस्तान टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 13 सितंबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और अफगानिस्तान के बीच टी20 सीरीज का आगाज होने जा रहा है। भले ही सीरीज के सारे मैच दिल्ली में खेले जाएं, लेकिन याद रखिएगा कि सीरीज की मेजबानी अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड कर रहा है। सीरीज का पहला मुकाबला 13 सितंबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। अब मैच में ज्यादा वक्त नहीं बचा है। ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि मैच कितने बजे से शुरू होगा। कहीं ऐसा ना हो कि जानकारी ना होने के कारण आपका मैच छूट जाए। चलिए आपको मैच शुरू होने का वक्त बताते हैं और साथ ही ये भी जानकारी देंगे कि मैच को आप अपनी टीवी और मोबाइल पर लाइव कैसे देख सकते हैं।

शाम को सात बजे से शुरू होगा भारत बनाम अफगानिस्तान पहला टी20 मैच

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया अब अफगानिस्तान से तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में भिड़ने के लिए तैयार है। सभी मैच दिल्ली में ही खेले जाएंगे। टी20 मैच होने के कारण ये बात तो पक्की है कि मैच शाम को ही होंगे। मैचों का जो वक्त निर्धारित किया गया

है, वो शाम सात बजे का है। इससे आधे घंटे पहले यानी साढ़े छह बजे टॉस होगा। इसके बाद ठीक सात बजे पहली बार डाली दी जाएगी। अगर पूरे 20 ओवर का खेल हुआ तो साढ़े दस बजे तक मैच खत्म भी हो जाएगा। अफगानिस्तान ने पिछले कुछ वक्त में जिस तरह का खेल दिखाया है, उससे पूरी उम्मीद है कि मैच काफी रोचक होगा।

सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और फैनकोड एप पर लाइव देख सकते हैं भारत बनाम अफगानिस्तान मुकाबले

इस बीच मैच को टीवी और मोबाइल पर देखने की बात की जाए तो वो भी जान लीजिए। इस सीरीज के टेलीकास्ट राइट्स सोनी स्पोर्ट्स के पास हैं, यानी टीवी पर मैच को लाइव देखने के लिए आपको सोनी स्पोर्ट्स के चैनलों पर जाना होगा, लेकिन सोनी लिव एप पर मैच नहीं देख पाएंगे। मैच को मोबाइल पर देखने के लिए आपको फैनकोड एप पर जाना होगा, लाइव स्ट्रीमिंग के राइट्स उसी के पास हैं। यानी कुल मिलाकर देखा जाए तो स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉट स्टार पर मैच नहीं देखे जा सकेंगे। इससे पहले कि मुकाबले की शुरुआत हो, अपनी तैयारी करके रखिएगा।

टीम इंडिया ने दिल्ली पहुंचकर शुरू कर दी है अपनी तैयारी

भारतीय टीम सीरीज के लिए दिल्ली पहुंच चुकी है और उसकी तैयारी भी शुरू हो चुकी है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम ने अरुण जेटली स्टेडियम पर पहुंचकर अपनी प्रैक्टिस भी की और कुछ प्लेयर्स ने बैटिंग और बॉलिंग की भी प्रैक्टिस की है। इसका वीडियो बीसीसीआइ की ओर से सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। देखना होगा कि पहले मैच में कौन सी टीम बाजी मारने में कामयाब होती है।

भारत के खिलाफ टी20 आई सीरीज के लिए अफगानिस्तान की टीम: इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, नूर रहमान, मोहम्मद नबी, रशीद खान, नांग्याल खरोटी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, नवीन-उल-हक, अब्दुल्ला अहमदजई।

अफगानिस्तान टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का स्क्वाड : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और यश ठाकुर।

भारत ने मलेशिया को 3-1 से हराकर एएचएफ जूनियर एशिया कप के फ़ाइनल में जगह बनाई

मोकी,11 सितम्बर 2026। भारतीय जूनियर पुरुष टीम ने पुरुषों केएएचएफजूनियर एशिया कप 2026 में एक और संयमित और दृढ़ प्रदर्शन किया। शुक्रवार को पहले सेमी-फ़ाइनल में मलेशिया को 3-1 से हराकर वे अपना ख़िताब बचाने से बस एक जीत दूर रह गए हैं। कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर अनमोल एक्का ने एक बार फिर टीम की अगुवाई की। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर से दो गोल किए, जिससे टूर्नामेंट में उनके गोल की संख्या 16 हो गई और स्कोरिंग चार्ट में उनकी स्थिति और मज़बूत हो गई। साथ ही, गोलकीपर और प्लेयर ऑफ़ द मैच विवेक लाकड़ा का प्रदर्शन भी शानदार रहा। उन्होंने कई बेहतरीन बचाव किए, जिसमें पेनल्टी स्ट्रोक रोकना भी शामिल था, जिससे भारत मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखने में कामयाब रहा।

प्रेस रिलीज़ के अनुसार, मौजूदा चैंपियन लगातार चौथी और कुल छठी बार ख़िताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। अब उनका सामना पाकिस्तान और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले दूसरे सेमी-फ़ाइनल के विजेता से होगा। भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज़ में की। अजीत यादव ने डीप डिफ़ेंस से खेली गई लंबी गेंदों का समझदारी से इस्तेमाल करते हुए शुरुआती दो मिनटों में ही दो बार गोल करने के करीब पहुँच गए। भारत को जल्द ही तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन मलेशियाई गोलकीपर अमस्यार मोहम्मद अदीब ने कुछ अच्छे बचाव करते हुए भारत को गोल करने से रोके रखा।

शुरुआती पाँच मिनटों में मलेशिया को गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा और वे ज़्यादातर डिफ़ेंस करने में ही लगे रहे। उनका पहला असरदार हमला 11वें मिनट में हुआ जब वे भारत के 23-यार्ड एरिया में पहुँचे, लेकिन भारतीय डिफ़ेंस सतर्क रहा और सर्कल में घुसने से पहले ही उन्हें रोक दिया। 12वें मिनट में एक टर्नओवर से भारत को पहला गोल करने का मौका लगभग मिल ही गया था, लेकिन वे इस मौके को भुना नहीं पाए। क्वार्टर के आखिरी मिनट में मलेशिया गोल करने के करीब पहुँचा, लेकिन सर्कल के ऊपरी हिस्से से किए गए प्रयास में न तो ज़्यादा ताक़त थी और न ही सही दिशा।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

/ / संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रं0 01 //

क्रं0/ पुअ / बल/एसी-1 / निविदा / एम / 2519 / 2026 दिनांक 07.09.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से भण्डार क्रय नियम 2002 छ0ग0 शासन के नियमानुसार पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर के नाम पर खुली निविदा दर के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। कोरे भाव पत्रक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर से आवेदन प्रस्तुत कर (आयकर / वाणिज्य कर/चुकता एवं अधिकृत विक्रेता प्रमाण पत्र सहित) कोरे निविदा प्रपत्र की राशि 0055 पुलिस, 800 अन्य प्राप्तियां के अंतर्गत चालान के माध्यम से जमा कर कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किये जा सकते है । अमानत राशि एफ. डी. आर. के रूप में स्वीकार की जावेगी ।

1. निविदा प्रपत्र ब्रिकी दिनांक - दिनांक 16.09.2026 के कार्यालयीन समय तक ।
2. निविदा प्रपत्र जमा करने का दिनांक - दिनांक 17.09.2026 को सायं 3.00 बजे तक ।
3. निविदा प्रपत्र खोलने का दिनांक कार्य का नाम - दिनांक 17.09.2026 को सायं 4.00 बजे तक।

क्र0	स्थान का नाम	कार्य का नाम	प्राप्त बजट आवंटन राशि
1	कैम्प पुंदाग,थाना सामरीपाठ	कैम्प पुदांग में 03 नग तड़ित चालक स्थापना कार्य ।	2,28,600.00
2	कैम्प भूताही, थाना सामरीपाठ	कैम्प भूताही में 03 नग तड़ित चालक स्थापना कार्य ।	2,28,600.00
3	रक्षित केन्द्र बलरामपुर	रक्षित केन्द्र कार्यालय बलरामपुर में 01 नग तड़ित चालक स्थापना कार्य ।	76,200.00
4	रक्षित केन्द्र बलरामपुर	र. के. बलरामपुर परिसर में नव निर्मित प्र. आर. / आर. ट्रांजिट हॉस्टल भवन में 01 नग तड़ित चालक स्थापना कार्य ।	76,200.00
5	पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर	पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर में 01 नग तड़ित चालक स्थापना कार्य।	76,200.00
		कुल योग	**6,85,800.00**

नोट : - 1. उक्त सभी कार्य के लिये अमानत राशि 20574 /- रूपये का एफडीआर जमा करना होगा । निविदा प्रपत्र का मूल्य 750.00, कार्यावधि 120 दिवस वर्षाकाल सहित है एवं निविदाकर वर्ग डी (इलेक्ट्रीकल) ठेकेदार एवं उससे अधिक का होना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र भारतीय स्टेट बैंक के शाखा में 0055 पुलिस हेड (मिसलेनियस) में चालान कटा होने पर विक्रय किया जावेगा।
2. निविदाएं सीलबंद लिफाफा में प्रस्तुत करना होगा, जिसके भीतर प्रथम लिफाफा में अमानत राशि, द्वितीय लिफाफा में भावपत्र रहेगा । 3. शर्तें एवं जानकारी इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त करें ।
4. किसी भी प्रकार के वाद की स्थिति में पुलिस अधीक्षक का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा ।

पुलिस अधीक्षक
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी नंबर- 262703198/2

एफ 4 इंडियन चैंपियनशिप से होगा 2026 रेसिंग फेस्टिवल का आगाज

नई दिल्ली,11 सितम्बर 2026। इंडियन रेसिंग फेस्टिवल कॉम्पिटिटिव मोटरस्पोर्ट के एक नए सीज़न में कदम रखने जा रहा है। स्र4 इंडियन चैंपियनशिप अपने 2026 कैंपेन की शुरुआत 12-13 सितंबर को कोयंबटूर के कारी मोटर स्पीडवे से करेगी। इस सीज़न में भारत की प्रमुख रेसिंग जगहों पर एफ 4 के छह राउंड और इंडियन रेसिंग लीग के चार राउंड होंगे। इसका समापन दिसंबर में नवी मुंबई स्ट्रीट सर्किट पर एक यादगार स्ट्रीट-रेस के साथ होगा

एफ आईए सर्टिफाइड एफ 4 इंडियन चैंपियनशिप कोयंबटूर से शुरू होकर नवी मुंबई में खत्म होगी। यह सिंगल-सीटर ड्राइवरों की अगली पीढ़ी को अपने देश में मुकाबला करने,रेस का कीमती अनुभव हासिल करने और सुपर लाइसेंस पॉइंट पाने का मौका देगी। 2026 के ग्रिड में आठ देशों के ड्राइवर आठ टीमों की ओर से हिस्सा लेंगे। इंडियन रेसिंग लीग अक्टूबर में शुरू होगी। इसका चार राउंड का कैंपेन 24-25 अक्टूबर को चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट से शुरू होगा। 2026 इंडियन रेसिंग लीग सीज़न में हिस्सा लेने वाली छह टीमें हैं : किच्चा सुदीप की किच्चाज़ किंग्स बेंगलुरु; जॉन अब्राहम की गोवा एसेस रेसिंग; सौरव गांगुली की कोलकाता रॉयल टाइगर्स; नागा चैतन्य की हैदराबाद ब्लैकबर्ड्स; अर्जुन कपूर की स्पीड डेमन्स दिल्ली; और एकॉर्ड ग्रूप के मालिकाना हक वाली चेन्नई टर्बो राइडर्स।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर , जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कंवरु राम आ0.स्व. सुधू राम निवासी कोलडीहा थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के कंवर राम के चाचा (स्व. रामसाय). आ0 स्व. सुधू राम की दिनांक 08/02/2004..को स्थान कोलडीहा ..में हुई है
आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
आज दिनांक 07 / 09 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर
जिला-सरगुजा(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर , जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कंवरु राम आ0.स्व. सुधू राम निवासी कोलडीहा थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के कंवर राम के चाचा (स्व. रामसाय). आ0 स्व. सुधू राम की दिनांक 04/03/2003..को स्थान कोलडीहा ..में हुई है
आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
आज दिनांक 07 / 09 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर
जिला-सरगुजा(छ.ग.)

CMYK

महाराष्ट्र सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 9 लोगों की मौत...14 घायल

नागपुर जाते समय ट्रक से टकराई बोलेरो...5-5 लाख सहायता राशि की घोषणा...

कबीरधाम,11 सितम्बर 2026। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में रायपुर-नागपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार तड़के ट्रक और बोलेरो की टक्कर हो गई। हादसे में छत्तीसगढ़ के 9 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 6 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। हादसे में 14 लोग घायल हैं। घायलों को भंडारा और नागपुर में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के 22 लोग बोलेरो से पोला उत्सव में शामिल होने नागपुर जा रहे थे। इसी दौरान पिंपलगांव रोड पर सुबह करीब 4 बजे बोलेरो और ट्रक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह डैमेज हो गया। ट्रक में फंसे बोलेरो को निकालने के लिए 2 जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। हादसे में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि एक महिला ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में कवर्धा जिले के लोग शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भीषण सड़क हादसे पर दुःख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

पेट्रोल पंप से हाईवे पर आ रहा था ट्रक

लाखनी पुलिस के अनुसार हादसा शुक्रवार सुबह करीब 3:31 बजे एनएच-53 पर साकोली से लाखनी की ओर जाने वाले मार्ग पर मुंडीपार के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक,टाटा कंपनी का आयशर वाहन क्रमांक यूपी72 बीटी7974 पेट्रोल पंप से हाईवे पर आ रहा था। इसी दौरान साकोली से लाखनी की ओर जा रही महिंद्रा बोलेरो क्रमांक एमएच49यू9810 से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। पुलिस के मुताबिक, आयशर चालक अमर सिंह रामदुलारे यादव (37) निवासी प्रतापगढ़,उत्तर प्रदेश, वाहन चला रहा था। प्रारंभिक जांच में आयशर को तेज गति और लापरवाही से चलाने की बात सामने आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख की सहायता

सीएम विष्णुदेव साय ने महाराष्ट्र के भंडारा जिले में हुए सड़क हादसे पर दुःख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की टीम भंडारा पहुंच गई है। टीम महाराष्ट्र सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर घायलों के इलाज और प्रभावित परिवारों की मदद कर रही है। गंभीर रूप से घायलों के बेहतर इलाज के लिए नागपुर में भी जरूरी व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुश्किल समय में छत्तीसगढ़ सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव मदद दी जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी हादसे पर जताया दुःख

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महाराष्ट्र के भंडारा में नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हादसे में छत्तीसगढ़ के 9 लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद और पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। साथ ही उन्होंने हादसे में घायल सभी लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

मंत्री खुशवंत के बड़े भाई ने ज्वॉइन की कांग्रेस

भूपेश बघेल ने कराया प्रवेश,ढालदास बोले... जनता जानती है कि भाजपा क्या कर रही है

रायपुर,11 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ की राजनीति में शुक्रवार को बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया। भाजपा सरकार में मंत्री खुशवंत साहेब के बड़े भाई और सतनामी समाज के धर्मगुरु गुरु बालदास के बड़े बेटे ढाल दास ने कांग्रेस ज्वॉइन कर ली। रायपुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तीजा-पोरा कार्यक्रम के दौरान उन्हें कांग्रेस में प्रवेश कराया। ढाल दास ने कहा कि जनता भी जानती है कि भाजपा क्या कर रही है। अगर कांग्रेस मुझे मौका देती है तो मैं मुंगेली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहूंगा। पार्टी जहां से मुझे चुनाव लड़ने के लिए चयनित करेगी, मैं वहां से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि पार्टी में शामिल होने से पहले मैंने अपने भाई और पिताजी से बातचीत की थी और उन्हें इस बारे में बताया था। दोनों ने अपनी सहमति दे दी। वहीं उनके भाई मंत्री खुशवंत साहेब ने कहा कि कांग्रेस हमेशा तोड़ने की नीति से काम करती है। ढाल दास के कांग्रेस में शामिल होने के बाद प्रदेश की राजनीति में चर्चाएं तेज हो गई हैं। उनका परिवार सामाजिक और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली माना जाता है। ऐसे में एक ही परिवार के एक सदस्य के भाजपा सरकार में मंत्री होने और दूसरे के कांग्रेस में शामिल होने को सियासी तौर पर महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। सतनामी समाज के प्रमुख धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब का परिवार बाबा गुरु घासीदास की वंश परंपरा से जुड़ा हुआ है। गुरु बालदास के चार बेटे हैं...ढाल दास,सोमेश दास,खुशवंत दास और सौरभ दास। उनकी एक बेटी भी है। इनमें ढाल दास सबसे बड़े बेटे हैं। गुरु परिवार का सतनामी समाज में धार्मिक और सामाजिक प्रभाव माना जाता है। गिरौधपुरी धाम और भंडारपुरी धाम से जुड़े प्रमुख आयोजनों में परिवार की सक्रिय भूमिका रहती है।

हसदेव नदी में बिलासपुर चौकसे-कॉलेज के 3 छात्र बहे

सेल्फी लेते फिसला पैर,बचाने कूदे 2 स्टूडेंट्स भी लापता,देवरी पिकनिक मनाने गए थे...

जांजगीर-चांपा,11 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में पिकनिक मनाने गए कॉलेज के तीन छात्र हसदेव नदी के तेज बहाव में बह गए। बिलासपुर के चौकसे कॉलेज के 8 छात्र-छात्राएं शुक्रवार को देवरी गांव पहुंचे थे। नदी किनारे सेल्फी लेने के दौरान एक छात्र का पैर फिसल गया। उसे बचाने के लिए नदी में कूदे दो अन्य छात्र भी बह गए। तीनों छात्रों का अब तक पता नहीं चल पाया है। नगर सैनिक गोताखोरों की टीम उनकी तलाश में जुटी है। घटना बलौदा थाना क्षेत्र की है। सीएसपी योगिताबाली खापर्डे ने बताया कि बिलासपुर के चौकसे कॉलेज के बी फार्मा फर्स्ट ईयर के 8 छात्र-छात्राएं शुक्रवार दोपहर करीब 2 से 2:30 बजे देवरी गांव पहुंचे थे। इनमें 4 लड़कियां और 4 लड़के शामिल थे। बताया गया कि मुरारी साहू (22), पवन लाल (22) और सचिन सिंह (23) नदी किनारे सेल्फी लेने के लिए खड़े थे। इसी दौरान एक छात्र का पैर फिसल गया और वह नदी के तेज बहाव में बहने लगा। उसे बचाने के लिए दोनों अन्य छात्र भी नदी में कूद गए। तेज बहाव के कारण तीनों छात्र नदी में बह गए और लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बलौदा थाना प्रभारी मनोहर सिन्हा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। नगर सैनिक गोताखोरों की टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस और गोताखोर तीनों छात्रों की तलाश में जुटे हुए हैं। उनके परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। बताया जा रहा है कि तीनों छात्र अंबिकापुर,मरवाही और कवर्धा के रहने वाले हैं।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन...

केंद्र के आदेश का पुतला फूंका,पुलिस से हुई झूमाझटकी

रायपुर,11 सितम्बर 2026। स्मार्ट मीटर को अनिवार्य किए जाने के कथित केंद्रीय आदेश के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को राजीव गांधी चौक पर प्रदर्शन किया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के आदेश की प्रतियां और उसका पुतला जलाकर विरोध जताया। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक,12 अगस्त को केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की सचिव अंकिता वर्षणेय की ओर से देश के सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें अपने-अपने राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को अनिवार्य रूप से आगे बढ़ाने की बात कही गई है। कांग्रेस ने इसी आदेश को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

एक महीने से स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पार्टी पिछले करीब एक महीने से 'स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान' चला रही है। रायपुर में शहर जिला कांग्रेस के कार्यकर्ता अलग-अलग वार्डों में घर-घर जाकर लोगों से स्मार्ट मीटर हटाने को लेकर फॉर्म भरवा रहे हैं। जिन इलाकों में अभी स्मार्ट मीटर नहीं लगे हैं,वहां लोगों से इसे नहीं लगवाने की अपील भी की जा रही है। कांग्रेस का दावा है कि अभियान को मिल रहे जनसमर्थन के बाद राज्य सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया गया था कि स्मार्ट मीटर लगाना अनिवार्य नहीं है।

पुतला जलाने के दौरान पुलिस से झूमाझटकी

राजीव गांधी चौक पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन के लिए जुटे। इस दौरान पुलिस बल ने पुतला जलाने से कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया। इसे लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झूमाझटकी भी हुई। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के आदेश की प्रतियां और पुतले जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

विजय शर्मा के बयान का हवाला देकर सरकार पर निशाना

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के उस कथित बयान का भी हवाला दिया, जिसमें स्मार्ट मीटर को स्वैच्छिक बताया गया था। कांग्रेस नेताओं ने महंगाई और बढ़े हुए बिजली बिलों से जुड़े पोस्टर भी प्रदर्शन के दौरान लहराए। कांग्रेस ने केंद्र और राज्य सरकार पर जनता के साथ कथित तौर पर धोखा करने का आरोप लगाते हुए स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को 'संगठित लूट का अभियान' करार दिया।

सरकार पर लगाया महंगाई का दोहरा बोझ डालने का आरोप : शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने केंद्र और राज्य सरकार पर जनता पर दोहरी मार डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और आम लोगों को राहत देने के बजाय सरकारें उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ डालने वाली नीतियां लागू कर रही हैं। मेनन ने नए करों, जीएसटी,ट्रैफिक चालान और बढ़े हुए बिजली बिलों का उल्लेख करते हुए स्मार्ट मीटर को भी जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ाने वाला माध्यम बताया। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की महिलाओं को 1,000 रुपये देने की योजना का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि दूसरी ओर बिजली बिल और अन्य माध्यमों से परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है।

पुराने मीटर को कुछ समय तक रखने की मांग : पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, विकास उपाध्याय और पंकज शर्मा ने स्मार्ट मीटर लगाए जाने की स्थिति में पुराने मीटर को भी कुछ समय तक चालू रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि नए स्मार्ट मीटर की दो से तीन महीने तक टेस्टिंग की जाए और उपभोक्ता के संतुष्ट होने के बाद ही पुराने मीटर को हटाया जाए। कांग्रेस नेताओं ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए दावा किया कि वहां विधानसभा चुनाव को देखते हुए स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को लेकर अलग रुख अपनाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि छत्तीसगढ़ सरकार भी केंद्र के निर्देशों के बजाय उपभोक्ताओं की मांग को प्राथमिकता देते हुए पुराने मीटर को बनाए रखने का आदेश जारी करे।

प्रदर्शन में श्रीकुमार शंकर मेनन,कुलदीप जुनेजा,विकास उपाध्याय,पंकज शर्मा,जसवीर ढिल्लन,अरुण जंघेल, सुशांत डे,अविनय दुबे,प्रवीण चंद्राकर,दीपक चौबे,सुरेश धीवर,ओम श्रीवास,आसिफ खान,अनिल रायचूरा,अंजुमन ढेबर,संदीप शर्मा,मिलिंद गौतम,सुजीत सिंह,कमल घीतलहरे,जावेद नकवी,हिरेंद्र देवांगन,देव कुमार साहू,जीतू भारती,सत्तू सिंह,मुन्ना मिश्रा,महेंद्र सेन, वेंकट कुमार,राजू दुबे,मोहसिन खान, अजीत,अनीश मनीहार,राजू नायक,जीवन सागर,सागर टांडी,हेमु डिकेडे,पप्पू बागडे, अभिषेक ठाकुर,मोहम्मद इमरान,भारत यादव,बालेश्वर सोना,भागवत साहू,सुधीर बंजारे,गौतम यादव,आकाश दीवान, मोहम्मद कासिम,वास्टो बेहरा,आकाश नाग, फिरोज चिश्ती,नवीन भारती,बिरजू साहू, शिव साहू,मुकेश त्रिवेदी,सुनील कुमार ध्रुव, सुशील बरोलिया और रतन सोनी समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

पहाड़ी कोरवा परिवारों को राशन नहीं मिलने पर सीएम साय सख्त,दोषियों पर कार्रवाई के दिए निर्देश

कहा...हर पात्र परिवार को समय पर मिले पूरा राशन,लापरवाही बर्दाश्त नहीं

रायपुर,11 सितम्बर 2026। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ क्षेत्र में पहाड़ी कोरवा परिवारों को राशन नहीं मिलने की शिकायत पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को उसके हिस्से का पूरा राशन निर्धारित समय पर मिले। उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजातियों और दूरस्थ इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए राशन वितरण की व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने को कहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राशन वितरण में किसी भी तरह की लापरवाही या अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदारी तय कर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। शासन की ओर से उपलब्ध कराया जा रहा खाद्यान्न वास्तविक हितग्राही तक निर्धारित मात्रा में और समय पर पहुंचाना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

आमानारा गांव की शिकायत को सीएम ने लिया गंभीरता से...

धरमजयगढ़ क्षेत्र के आमानारा गांव में पहाड़ी कोरवा परिवारों को राशन नहीं मिलने की शिकायत सामने आने के बाद मुख्यमंत्री ने मामले की जानकारी ली। उन्होंने रायगढ़ कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे प्रकरण की जानकारी ली और प्रभावित पात्र परिवारों को तत्काल राशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को वितरण से जुड़े सभी अभिलेखों की जांच करने को कहा। साथ ही ई-पॉस मशीन में दर्ज राशन वितरण और हितग्राहियों को वास्तव में दिए गए खाद्यान्न का मिलान करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पात्र परिवार को उसके हक के खाद्यान्न से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

जांच में शिकायत सही मिली,राशन दुकान निलंबित : कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री को बताया कि शिकायत सामने आने के बाद मामले की जांच कराई गई। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित राशन दुकान को निलंबित कर दिया गया है वहीं, पहाड़ी कोरवा परिवारों समेत अन्य हितग्राहियों को राशन मिलने में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। प्रभावित हितग्राहियों को अब चिड़ोडी की राशन दुकान से संबद्ध किया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस मामले में आवश्यक कार्रवाई के साथ-साथ जिले की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की लगातार निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी शिकायतों की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए और हर पात्र हितग्राही को समय पर तथा गुणवत्तापूर्ण राशन मिलना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहज,पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुशासन सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता, तत्परता और जवाबदेही के साथ काम करने को कहा, ताकि पात्र परिवारों को उनका अधिकार बिना किसी बाधा के मिल सके।

त्योहारी-सीजन को देखते हुए पटना-चर्लपल्ली स्पेशल अब दिसंबर तक चलेगी

बिलासपुर,रायपुर,दुर्ग और गोंदिया में ठहराव,89 ट्रेनों का समय भी बदला

रायपुर,11 सितम्बर 2026। त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कई बड़े बदलाव किए हैं। पटना-चर्लपल्ली-पटना के बीच चल रही स्पेशल ट्रेन का परिचालन 2 दिसंबर 2026 तक बढ़ाया गया है। 22 कोच की इस ट्रेन का बिलासपुर,रायपुर,दुर्ग और गोंदिया में ठहराव रहेगा। इसके अलावा घाट शिला स्टेशन पर गीतांजली एक्सप्रेस और आजाद हिंद एक्सप्रेस का ठहराव 11 सितंबर से शुरू होगा। वहीं,दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से जुड़ी 10 ट्रेनों के पुरी और भुवनेश्वर पहुंचने के समय में बदलाव किया गया है। त्योहारी सीजन में कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने के लिए पटना-चर्लपल्ली-पटना स्पेशल ट्रेनों का परिचालन बढ़ाया गया है। गाड़ी संख्या 03253 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल 21 सितंबर से 30 नवंबर तक 21 फेरे लगाएगी। यह ट्रेन सोमवार और बुधवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 03255 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल 25 सितंबर से 27 नवंबर तक 10 फेरे लगाएगी। इसका संचालन हर शुक्रवार को होगा। वहीं गाड़ी संख्या 03254 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल 23 सितंबर से 2 दिसंबर तक 11 फेरे लगाएगी और हर बुधवार को चलेगी। इन स्पेशल ट्रेनों का दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर,दुर्ग और गोंदिया स्टेशनों पर व्यावसायिक ठहराव है। इन स्टेशनों से यात्री ट्रेन में सफर कर सकेंगे। ट्रेन में कुल 22 कोच रहेंगे। इनमें 1 पावर कार,1 एसएलआरडी,2 जनरल, 4 स्लीपर,7 एसी-3 और 7 एसी-3 इकोनॉमी कोच शामिल हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल के घाटशिला स्टेशन पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गीतांजली एक्सप्रेस और आजाद हिंद एक्सप्रेस का ठहराव शुरू किया जा रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)